

सीखा बैंकिंग व्यवस्था का व्यावहारिक ज्ञान

डोमनहिल स्कूल के विद्यार्थियों ने किया बैंक का शैक्षणिक भ्रमण

- मुद्रा एवं बैंकिंग इकाई के तहत अर्थशास्त्र क्लब की नवाचारी पहल, डिजिटल लेन-देन और वित्तीय साक्षरता की मिली जानकारी

एमसीबी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोमनहिल में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से अर्थशास्त्र क्लब के अंतर्गत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सोनवानी-डोमनहिल शाखा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस गतिविधि का उद्देश्य अर्थशास्त्र विषय की 'मुद्रा एवं बैंकिंग' इकाई को वास्तविक जीवन से जोड़ना और विद्यार्थियों को बैंक की कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। यह नवाचारी पहल विद्यालय की प्राचार्य रजनी सालोमन के निर्देशानुसार अर्थशास्त्र क्लब के प्रभारी एवं विषय व्याख्याता के. प्रफुल्ल रेड्डी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आयोजित की गई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बैंकिंग व्यवस्था, मुद्रा का लेन-देन, बचत एवं चालू खाते, ऋण वितरण, डिजिटल बैंकिंग, एटीएम, चेक



और ऑनलाइन भुगतान जैसी विभिन्न बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही विद्यार्थियों को ईएमआई, केवाईसी, एसएलआर और सीआरआर जैसी महत्वपूर्ण बैंकिंग प्रक्रियाओं एवं अवधारणाओं के बारे में भी समझाया गया। बैंक मैनेजर सुभाष कुमार, सहायक बैंक मैनेजर आकाश पुरुस्ती, मुख्य कैशियर अशोक गुगुलोथ एवं कार्यालय सहायक मुनीश कुमार ने विद्यार्थियों को बैंक की कार्यप्रणाली और ग्राहकों को उपलब्ध कराई

जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बैंक अधिकारियों से बचत की आदत, जमा राशि के उपयोग, ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका से जुड़े सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। बैंक मैनेजर सुभाष कुमार ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन और नियमित बचत के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं की उपयोगिता समझाते हुए विद्यार्थियों को

वित्तीय अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया। अर्थशास्त्र क्लब के प्रभारी एवं विषय व्याख्याता के. प्रफुल्ल रेड्डी ने बताया कि बैंक भ्रमण के लिए बैंक मैनेजर सुभाष कुमार से अनुरोध किया गया था, जिस पर उन्होंने सहर्ष अनुमति प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस शैक्षणिक गतिविधि से विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक में पढ़े गए सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में समझने का अवसर मिला। बैंकिंग प्रणाली, बचत एवं निवेश के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में यह भ्रमण उपयोगी रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर बैंक प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। बैंक प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भ्रमण में भाग लेते हुए बैंकिंग से संबंधित नई जानकारी प्राप्त की। विद्यालय परिवार एवं अर्थशास्त्र क्लब ने इस शैक्षणिक पहल को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सोनवानी-डोमनहिल शाखा के मैनेजर एवं समस्त बैंक कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भटगांव में 118 वां रामनामी बड़े भजन मेला 17 से 21 जनवरी 2027 को होगा आयोजन मुख्यमंत्री को दिया

भटगांव। छत्तीसगढ़ रामनामी संप्रदाय द्वारा आयोजित होने वाले रामनामी मेला (जिसे बड़े भजन मेला भी कहा जाता है) इसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता, जाति भेदभाव का विरोध और राम नाम के माध्यम से एकता व भाईचारे का संदेश फैलाना है इस ऐतिहासिक 118वाँ छत्तीसगढ़ रामनामी रामराम भजन संस्था द्वारा आयोजित पांच दिवसीय रामराम बड़े भजन मेला एवं संत समागम - 2027 का आयोजन इस वर्ष भी भव्य रूप से किया जाएगा।

इसका आयोजन ग्राम झुमरपाली, नगर पंचायत भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 17 से 21 जनवरी 2027 तक होगा। इसी के लिए रामनामी समाज के पारम्परिक कर्मा नर्तक दल एवं समस्त ग्रामवासी झुमरपाली के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंट कर उन्हें सादर आमंत्रित किया। प्रतिनिधि मंडल में पारम्परिक वेशभूषा में मोर पंख बुजुर्ग कलाकार के साथ मे समाज के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने



बताया कि यह मेला छत्तीसगढ़ की रामनामी संस्कृति और भजन परम्परा का 118 वर्षों से प्रतीक है, जिसमें हजारों संत और श्रद्धालु शामिल होते हैं। आयोजन समिति द्वारा मेला को लेकर जोर-शोर से तैयारी मे जुटे है। मुख्य रूप से नगर

पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रें एवं पार्षद महादेव यादव, रामकुमार सिदार पार्षद प्रतिनिधि रमा पटेल सहित पुरे समाज के पदाधिकारीगण इस एतिहासिक भजन मेला को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

अमहतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ीं एमसीबी जिले की पार्वती

नियमित सहायता से बढ़ा आत्मविश्वास, महतारी वंदन योजना से पार्वती को मिली राहत

एमसीबी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है और वे अपने परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर पा रही हैं। इसी कड़ी में ग्राम चनवारी डांड, विकास खंड मनेन्द्रगढ़ निवासी पार्वती के लिए महतारी वंदन योजना आर्थिक सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 की आर्थिक सहायता



प्रदान की जाती है। यह राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है, जिससे महिलाएं अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इसका उपयोग कर सकें। ग्राम चनवारीडांड निवासी पार्वती को भी महतारी वंदन योजना का निरंतर लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा योजना की 32वीं किस्त जारी किए जाने के बाद पार्वती को अब तक कुल

32,000 की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है। योजना के तहत नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि उनके लिए भरेल आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को

आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि से महिलाएं परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान दे रही हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा सेवा संकल्प अभियान

उल्लेखनीय है कि जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनभागीवरी को प्रोत्साहित करना, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयासों को मजबूत करना है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियों को सामने लाया जा रहा है, ताकि आमजन योजनाओं के लाभों से परिचित हो सकें और पात्र व्यक्ति इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित हों। ग्राम चनवारीडांड की पार्वती की कहानी इस बात का उदाहरण है कि महतारी वंदन योजना जैसी जनकल्याणकारी पहल महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ऐसी सफलता की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाकर महिला सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान : 'निदान-03' शिविर से संवर रही दिव्यांगजनों की जिंदगी

- सहायक उपकरणों और सुविधाओं का मिल रहा संबल

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत धमतरी जिले में आयोजित तीन दिवसीय 'निदान-03' विशेष शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी दैनिक गतिविधियों को सुगम करना और उन्हें समाज की मुखाधारा से जोड़ना है। नगरी और धमतरी में आयोजित इन शिविरों के शुरुआती दो दिनों में कुल 632 दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया, जिन्हें एक ही छत के नीचे कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और शासकीय योजनाओं का पूरा संबल प्रदान किया गया। शिविर के पहले दिन 8



अक्टूबर को नगरी विकासखंड के श्रृंगी ऋषि हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में 172 दिव्यांगजन शामिल हुए। यहाँ पात्र हितग्राहियों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ऋवण यंत्र, बैसाखी, वॉकिंग स्टिक और वॉकर वितरित किए गए। साथ ही, नौ दिव्यांगजनों के कृत्रिम हाथ-पैर तैयार करने के लिए आवश्यक माप और प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि 18 दिव्यांगता प्रमाण पत्र और 44 यूडीआईडी कार्ड भी प्रदान किए गए। श्रृंखला के दूसरे दिन 10 अक्टूबर को धमतरी के

इंडोर स्टेडियम में भव्य शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ 460 दिव्यांगजन पहुंचे और इनमें से 359 हितग्राहियों को विभिन्न उपकरणों व सुविधाओं से लाभान्वित किया गया। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कार्वाड़िया और महापीर रामू रोहरा की उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर, ऋवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्ट केन और वॉकर जैसी आधुनिक सामग्रियां बड़े पैमाने पर बांटी गईं।

- रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल, कैंसर उपचार केंद्र का हुआ भूमिपूजन

एमसीबी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से मध्य भारत के एक बड़े मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुलभ और विकासशील स्वास्थ्य सुविधाएं अपने प्रदेश में ही उपलब्ध हों तथा आर्थिक अभाव किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में ओमेगा मेडिसिन

नवा रायपुर में 200 एकड़ में विकसित की जा रही आधुनिक मेडिसिटी और फार्मा पार्क



अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल एवं कैंसर उपचार केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और ओमेगा ग्रुप की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जुड़ा रहे मरीज के साथ पूरा परिवार कठिन दौर से

गुजरता है। यदि उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़े तो परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां भी आती हैं। हमारी कोशिश है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता न्यूनतम हो और उन्हें अपने परिवार के बीच रहते हुए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि ओमेगा अस्पताल का प्रस्तावित ऑकोलॉजी सेंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों

और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की उपलब्धता से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और शहरी क्षेत्रों के बीच चिकित्सा मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, आधुनिक पैथोलॉजी और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि सामान्य

जांच और उपचार के लिए मरीजों को अनावश्यक रूप से बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण करना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच चिकित्सा सुविधाओं के अंतर को कम करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं होती, बल्कि कई बार परिवार के सामने बड़ा आर्थिक संकट भी खड़ा कर देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना ने ऐसे लाखों परिवारों को उपचार की चिंता से राहत दी है। शासकीय अस्पतालों के साथ बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ा गया है, जिससे पात्र परिवारों को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है।

शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय में आयोजित हुआ युवा उड़ान कार्यक्रम, साइबर सुरक्षा और करियर काउंसलिंग की मिली जानकारी

युवा उड़ान 2026 : विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर जोर

- राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय हुए शामिल
- नशामुक्त भारत और साइबर अपराध जागरूकता के सेल्फी जोन बने आकर्षण का केंद्र



भारत के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय, सारंगढ़ में युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर शामिल हुए। इस अवसर पर जिला

पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा विभिन्न विद्यालयों एवं

महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को साइबर सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव एवं करियर काउंसलिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। युवाओं को डिजिटल युग में जागरूक और सतर्क रहने के साथ ही अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

नशामुक्त भारत के सेल्फी जोन में दिखा उत्साह

कार्यक्रम स्थल पर नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बनाए गए मैं हूं नशामुक्त भारत सेल्फी जोन ने जनप्रतिनिधियों और छात्र-छात्राओं का ध्यान आकर्षित किया। जनप्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों ने सेल्फी लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस पहल के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

साइबर अपराध से बचाव का दिया जागरूकता संदेश

वहीं पुलिस विभाग द्वारा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मैं जागरूक हूं, साइबर क्राइम से मुक्त हूं थीम पर विशेष सेल्फी जोन बनाया गया। यहां जनप्रतिनिधियों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सेल्फी ली तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया गया। युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देने के साथ ही नशामुक्त, साइबर सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता ने विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

16 किलो से अधिक गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, कार-मोबाइल समेत 7.68 लाख का सामान जब्त

रायपुर। पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफकार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 16 किलो 180 ग्राम गांजा, एक कार, तीन मोबाइल फ़ोन और 13 हजार रुपये नकद सहित कुल लगभग 7 लाख 68 हजार रुपये का सामान जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का और एसडीओपी बेरला रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। 9 अक्टूबर को साइबर सेल और थाना बेरला पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि एक सफेद कार में गांजा लेकर महासमुंद की ओर से सिमगा, सोमनाथ, जमघट और चेवटा होते हुए बेरला की तरफलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम जमघट में खारून नदी के पास मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर कार क्रमांक 046717 को रोका। इसमें सवार सूरज कुमार साहू (34) और साहिल साहू (21), दोनों निवासी खर्वा, थाना बेरला, को गांजा के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने गांजा महासमुंद जिले के साकरा थाना क्षेत्र के सलडी निवासी युधिष्ठिर बहेरा (24) से खरीदकर लाना बताया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में युधिष्ठिर ने गांजा बेचने की बात स्वीकार की, जिसके बाद उसे भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों से करीब 1.95 लाख रुपये मूल्य का 16 किलो 180 ग्राम गांजा, लगभग 5 लाख रुपये की कार, 13 हजार रुपये नकद और करीब 60 हजार रुपये मूल्य के तीन टचस्क्रीन मोबाइल जब्त किए हैं। कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना बेरला प्रभारी उप निरीक्षक राजकुमार साहू सहित साइबर सेल और थाना बेरला के पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद पहली बार बस्तर जाएंगे राहुल गांधी,बोधघाट प्रभावितों से करेंगे मुलाकात

रायपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास पर आने की खबर है। इस दौरान उनके बस्तर जाने और बोधघाट परियोजना से प्रभावित लोगों से मुलाकात करने की संभावना जताई जा रही है। नक्सलवाद के खात्मे के बाद राहुल गांधी का यह पहला बस्तर दौरा बताया जा रहा है। उनके संभावित दौरे को लेकर प्रदेश कांग्रेस संगठन में तैयारियां शुरू होने की चर्चा है। राहुल गांधी के बस्तर दौरे के दौरान आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दे, स्थानीय लोगों की समस्याएं और क्षेत्र के विकास से संबंधित विषय प्रमुखता से उठा सकते हैं। बोधघाट परियोजना से प्रभावित लोगों के साथ प्रस्तावित मुलाकात को भी इस दौरे का अहम हिस्सा माना जा रहा है। इस दौरान प्रभावित परिवारों की चिंताओं, विस्थापन और परियोजना से जुड़ी मांगों पर बातचीत हो सकती है। बस्तर लंबे समय से नक्सलवाद, आदिवासी अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और विकास परियोजनाओं को लेकर राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा का केंद्र रहा है। नक्सलवाद के खात्मे के बाद क्षेत्र की बदली परिस्थितियों में राहुल गांधी का संभावित दौरा राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास के संबंध में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने जानकारी दी है। आधिकारिक तारीख, विस्तृत कार्यक्रम बाद में जारी होगा।

रजिस्ट्री होते ही मंगल सिंह का नामांतरण पूरा, ऑटोम्यूटेशन से महीनों के इंतजार और दफ्तरों की दौड़भाग से मिली मुक्ति

रायपुर। जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए महीनों इंतजार करने की परेशानी अब तकनीक आधारित व्यवस्था से कम हो रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम कोटकखर्वा, पोस्ट लालपुर निवासी मंगल सिंह सांडिया को पंजीयन विभाग की ऑटोम्यूटेशन सुविधा से बड़ी राहत मिली। इस बार उनकी जमीन की रजिस्ट्री के तुरंत बाद नामांतरण की प्रक्रिया पूरी हो गई, जिससे उन्हें अलग से कार्यालयों के चक्कर लगाने और लंबे इंतजार से मुक्ति मिली। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत मंगल सिंह सांडिया ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण कराने में कई बार महीनों लग जाते थे। इस दौरान जमीन से जुड़े अन्य कार्यों को पूरा करने में भी परेशानी होती थी। लेकिन ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था के कारण इस बार रजिस्ट्री के तुरंत बाद उनका नामांतरण हो गया। उन्होंने इस सुविधा को आम नागरिकों के लिए उपयोगी बताते हुए खुशी जाहिर की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए सुधार किए जा रहे हैं। ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था के तहत संपत्ति का पंजीयन होने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ती है। इससे पंजीयन और राजस्व विभाग की प्रक्रियाओं के बीच समन्वय बेहतर बनाने तथा अनावश्यक कार्यालयीन कार्यवाही कम करने में मदद मिल रही है। इस व्यवस्था से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों और भूमि स्वामियों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें पहले नामांतरण के लिए अलग से आवेदन करने और राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने इंस्पायर मानक में चयनित 40 प्रतिभागियों का किया सम्मान

रायपुर। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चयनित लगभग 40 विद्यार्थियों को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता का अवसर मिला यह बहुत हर्ष की बात है।केंद्र सरकार की पहल से संचालित इंस्पायर अवार्ड योजना बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई मौलिक प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने और उचित अवसर प्रदान करने को। ड़ोन तकनीक, सौर ऊर्जा और दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न आविष्कारों का उदाहरण देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगभग 80 हजार नवाचारी विचार सामने आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार के साथ शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा अपने आविष्कारों को समाज के लिए उपयोगी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने में सहयोग देने वाले अभिभावकों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

झा के जरिए फ्रेंचाइजीस को टीमों का आबंटन

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के फ्रेंचाइजीस और टीमों का ऐलान, टीमों की जर्सी लॉन्च

■ भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सरदार सिंह होंगे लीग के एंबेसडर, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

भारत के सबसे प्रतिष्ठित और सफल फील्ड हॉकी खिलाड़ियों में से एक सरदार सिंह को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का लीग एंबेसडर घोषित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित भारत की पहली हॉकी लीग, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का उद्घाटन सीजन 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण

साव के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में लीग की छह फ्रेंचाइजीस और टीमों का ऐलान किया गया। झा के जरिए फ्रेंचाइजीस को टीमों के आबंटन के साथ ही सभी टीमों की जर्सी भी लॉन्च की गई। टीम ड्रा के माध्यम से प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 22 खिलाड़ियों का दल और एक मुख्य कोच आर्बिट्र किया गया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन के लिए श्री सरदार सिंह जैसी प्रतिष्ठित शख्सियत को लीग एंबेसडर बनाना हमारे युवा खिलाड़ियों को सही संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता की दर्शाता है। वह भारत के सबसे प्रतिष्ठित हॉकी खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी विशेषज्ञता से इस लीग को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। श्री साव ने जमीनी स्तर पर छत्तीसगढ़ में हॉकी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए लीग और फ्रेंचाइज़ी टीमों के बीच दीर्घकालिक



साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, मैं उन छह टीम मालिकों और प्रायोजकों का हार्दिक स्वागत करता हूं, जिन्होंने हमारे खेल का समर्थन करने और इसमें निवेश करने का निर्णय लिया है। हॉकी को बढ़ावा देने के लिए उनका दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प सराहनीय है। राज्य में हॉकी के पुनरुत्थान की इस महत्वपूर्ण पहल में

सरकार के साथ साझेदारी के लिए मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लीग एंबेसडर सरदार सिंह ने कहा, एक पूर्व खिलाड़ी और अब हॉकी इंडिया के साथ कोच के रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के

नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से तनुजा के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से पात्र श्रमिक परिवारों को बेटियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें अपने भविष्य के लिए बेहतर अवसर तलाशने और स्वावलंबन की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोण्डगांव जिले के बड़े राजपुर विकासखंड के ग्राम मारंगपुरी निवासी तनुजा मरकाम को योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्राप्त हुई है। सेवा संकल्प अभियान



के तहत आयोजित शिविर के माध्यम से मिली इस सहायता ने उनके भविष्य को संवराने और आत्मनिर्भर बनने की उम्मीदों को नई मजबूती प्रदान की है। तनुजा को यह आर्थिक सहायता उनके पिता श्री उत्तम लाल मरकाम के पंजीकृत निर्माण श्रमिक होने के आधार पर प्राप्त हुई है। शासन की इस पहल से उन्हें अपनी

आवश्यकताओं की पूर्ति करने, भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाने और रोजगार अथवा स्वरोजगार की दिशा में प्रयास करने का अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना का प्रमुख उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को बेटियों को आर्थिक सहयोग देकर उनके भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने में मदद करना है। योजना के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित पात्रता पूरी करने वाली श्रमिक परिवारों की प्रथम दो अविवाहित पुत्रियों को 18 से 21 वर्ष की आयु के बीच तथा न्यूनतम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होने पर 20 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता प्रदान की जाती है।

मिनीमाता महतारी जतन योजना बच्चे के भविष्य के लिए सहेजी 20 हजार पितेश्वरी को मिल रहा आर्थिक सहारा....

रायपुर/ संवाददाता

बच्चे के जन्म के साथ मां के मन में उसके अच्छे स्वास्थ्य, पालन-पोषण और सुरक्षित भविष्य की चिंता भी जुड़ जाती है। घर की जिम्मेदारियों के बीच छोटी-छोटी ज़रूरतों का ध्यान रखना आसान नहीं होता। ऐसे समय में शासन की योजनाओं से मिली सहायता परिवार को राहत देती है और मां को आगे की राह के लिए भरोसा। बलौद जिले के ग्राम हीरापुर की श्रीमती पितेश्वरी साहू के लिए भी इन योजनाओं की मदद मायने रखती है। श्रीमती पितेश्वरी साहू छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक हैं। पहले बच्चे के जन्म के



समय उन्हें मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपए की सहायता मिली। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में आई। उन्होंने इस मदद को बच्चे के भरण-पोषण और स्वास्थ्य की ज़रूरतों के साथ उसके भविष्य के लिए सहेजकर रखा। श्रीमती पितेश्वरी के लिए यह रकम केवल एक आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बच्चे की बेहतर

परवरिश के लिए मिली मदद है। वह चाहती हैं कि ज़रूरत के समय यह बचत बच्चे के काम आए। अपने परिवार की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए राशि को संभालकर रखने का उनका फैसला एक मां की अपने बच्चे के भविष्य के प्रति चिंता और जिम्मेदारी को दिखाता है। उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने एक हजार रुपए भी मिलते हैं। श्रीमती पितेश्वरी इस राशि का उपयोग मोबाइल रिचार्ज और घर-गृहस्थी के छोटे-मोटे खर्चों के लिए करती हैं। उनका कहना है कि अपनी ज़रूरतों के लिए नियमित सहायता मिलने से उन्हें अच्छ लगता है और रोज़मर्रा के खर्चों में परिवार को सहयोग मिलता है।

भूमिपूजन के साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ

धरमपुरा और बिरकोना में बुनियादी सुविधाओं का होगा विस्तार-विजय शर्मा

■ उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने 78.51 लाख रुपए के दो सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों की गति देते हुए मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले में कुल 78.51 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं की सहभागिता के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमिपूजन के साथ ही दोनों निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिए गए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से

ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा व्यवस्थित नाली निर्माण से जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी। इससे गांवों में सड़क एवं नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत ग्राम धरमपुरा में मानिकचौरी मेन रोड से धान खरीदी केंद्र एवं गौठान तक 49.74 लाख रुपए की लागत से 0.5 किलोमीटर लंबाई में सीसी सड़क सह नाली का निर्माण किया जाएगा। इस निर्माण कार्य से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क के किनारे नाली निर्माण होने से जल निकासी व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही ग्राम बिरकोना में 28.77 लाख रुपए की लागत से 0.25 किमी लंबाई में सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने संबंधित अधिकारी और ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उप



मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम बिरकोना में 1 करोड़ 2 लाख 96 हजार रुपए तथा ग्राम धरमपुरा में 1 करोड़ 24 लाख 7 हजार रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। इसके साथ ही दोनों गांवों में सैकड़ों प्रधानमंत्री

आवासों का निर्माण भी किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को पक्के मकान की सुविधा मिली है। सरकार का उद्देश्य गांवों में सड़क, नाली, आवास सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाना है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की

मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षा राज्य को एक खेल राज्य के रूप में विकसित करने की है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की शुरुआत एक ऐसी पहल है, जो दूसरे राज्यों के लिए मिसाल बनेगी। मुझे विश्वास है कि इससे छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को बहुत लाभ मिलेगा। सीएचएल का लीग एंबेसडर बनना मेरे लिए केवल एक मानद पद नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भविष्य के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सितारों के रूप में विकसित करने में योगदान देने का अवसर भी है। सीएचएल में छह फ्रेंचाइज़ी टीमें शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों, ओलंपियनों, स्थानीय प्रतिभाओं और छत्तीसगढ़ क्षेत्र के अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को उच्च स्तरीय मंच उपलब्ध कराना और राज्य में घरेलू हॉकी के ढाँचे को मजबूत करना है।

महतारी वंदन से श्रीमती देवी ने 32 किस्तों में मिले 32 हजार रुपये.....

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। हर महीने बैंक खाते में पहुंचने वाली एक हजार रुपये की राशि से महिलाएं अपनी छोटी-छोटी ज़रूरतें पूरी करने के साथ परिवार के खर्चों में भी हाथ बंटा रही हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम चनवारीखंड निवासी मिलीदेवी भी इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें अब तक 32 किस्तों में कुल 32 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल चुकी है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत सामने आई मिली देवी की यह कहानी महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता से मिल



रहे संबल का उदाहरण है। ग्राम चनवारीखंड निवासी मिली देवी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा योजना की 32वीं किस्त जारी किए जाने के बाद उन्हें अब तक कुल 32 हजार रुपये मिल चुके हैं। इस राशि का उपयोग वह परिवार की दैनिक ज़रूरतों को पूरा करने में कर रही

हैं। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है। घरेलू ज़रूरतों के लिए छोटी-छोटी राशि की व्यवस्था करने में अब उन्हें सहूलियत मिल रही है। योजना से प्राप्त राशि परिवार के आर्थिक प्रबंधन में सहयोग देने के साथ उन्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक संबल भी प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। राशि सीधे हितराहित्यों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, उनकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा परिवार में उनकी आर्थिक भागीदारी को मजबूत करना है।

पीएम सूर्य घर योजना से बिजली बिल में बड़ी बचत

रायपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं। कौंटा विकासखंड में स्थित पंदीगुड़ा निवासी पंडा राजू ने भी इस योजना का लाभ लेते हुए अपने घर पर 03 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। राजू ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह लगभग 300 से 500 रुपये तक आता था। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद पिछले चार महीनों से उनका बिजली बिल शून्य भी दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से घर की आवश्यकता से अधिक बिजली बनने पर अतिरिक्त बिजली ग्रीड में जा रही है, जिसके कारण उनके बिजली खाते में क्रेडिट दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना के लिए उन्हें कुल 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। इसमें 78 हजार रुपये केंद्र शासन तथा 30 हजार रुपये राज्य शासन की ओर से प्रदान किए गए हैं। योजना से मिली सब्सिडी के कारण सोलर पैनल लगवाना उनके लिए आसान हुआ और अब उन्हें बिजली खर्च में राहत मिल रही है। पंडा राजू ने पीएम सूर्य घर योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से उनके परिवार को बिजली खर्च में राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह योजना आम परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के साथ-साथ बिजली के खर्च में बचत का अवसर भी प्रदान कर रही है।

तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। इसके तहत स्कूलों में लगाई गई स्क्रीन के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ करियर काउंसलिंग और कोचिंग की सुविधा भी मिलेगी।विधानसभा क्षेत्र के कुल 85 स्कूलों में से अब तक 50 स्कूलों में स्क्रीन लगाई जा चुकी हैं। शेष 35 स्कूलों में भी स्क्रीन लगाने की योजना है। इसके अलावा क्षेत्र के सभी 8 छात्रावासों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल के तहत देश के प्रमुख ऑनलाइन शिक्षा संस्थानों में शामिल फिजिक्स वाला के माध्यम से विद्यार्थियों को कोचिंग उपलब्ध कराने के लिए बातचीत की गई है। योजना के अनुसार, विद्यार्थियों को स्कूलों और छात्रावासों में ही स्क्रीन के माध्यम से ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य महंगी कोचिंग और दूसरे शहरों में जाकर पढ़ाई करने की मजबूरी को कम करना तथा ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना है।

अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के ज्यादा स्पष्ट होकर सामने आने के बाद स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। मौसम का चक्र बिगड़ता जा रहा है और स्वाभाविक रूप से इसका असर चौरफा पड़ रहा है।दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक ताप से उपजी समस्या ने अब मौसम को इस कदर प्रभावित करना शुरू कर दिया है कि आम जनजीवन से लेकर खेती-किसानी तथा पर्यावरण के अन्य क्षेत्रों पर भी

उसके विपरीत असर दिखने शुरू हो गए हैं।हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से यह कहा गया कि अल नीनो का प्रभाव अब साफ़तौर पर देखा जा सकता है। आने वाले महीनों में इसके असर में और तीव्र बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। अगले वर्ष फरवरी तक इसके जारी रहने का अनुमान है।जहां तक भारत पर इसके असर का सवाल है, तो यहां पिछले महीने तक बरसात में 12.6 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई। अंदाजा

लागाया जा सकता है कि देश में वर्षा पर निर्भर खेती-किसानी और फसलों पर इस स्थिति का कैसा असर पड़ रहा होगा। यह बेवजह नहीं है कि देश के कृषि मंत्रालय ने 2026-27 के खाद्यान्न लक्ष्य को कम करके 373.93 मिलियन टन निर्धारित किया है, जो पिछले वर्ष के अनुमानित उत्पादन के मुकाबले 2.63 मिलियन टन कम है।जाहिर है, अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के ज्यादा स्पष्ट होकर सामने आने के बाद स्थितियां

जटिल होती जा रही हैं। मौसम का चक्र बिगड़ता जा रहा है और स्वाभाविक रूप से इसका असर चौरफा पड़ रहा है।अकेले महाराष्ट्र में सरकार को राज्य के दो सी पैसठ तालुका को सूखा घोषित करना पड़ा है। इसकी मुख्य वजह यह भी है कि पिछले कई वर्षों में इस बार मानसून बेहद कमजोर रहा। इसी वजह से खेतों में तकरीबन तैयार फसलें सूख गईं और किसानों को व्यापक नुकसान हुआ। नतीजतन, कर्नाटक के बाद अब

महाराष्ट्र ने भी राज्य को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया है।बीते अगस्त में बरसात में गिरावट की वजह से कर्नाटक को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा था। समूचे पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले सवा सौ वर्षों में इस साल सबसे सूखा मानसून रहा है। वहीं पंजाब और बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्यों में भी बारिश में भारी कमी दर्ज की गई।एक समस्या यह भी है कि मौसम के बारे में जितने भी पूर्वानुमान सामने आते हैं, उनमें से कम ही उसके अनुरूप सही

साबित होते हैं। खेती पर व्यापक असर और खाद्य-चक्र िगड़ने से इतर भी मौसम की मार के बहुमस्तरीय प्रभाव देखे जा रहे हैं।पर्यावरण संतुलन पर इसके विपरीत प्रभाव की वजह से न केवल मनुष्य के लिए कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, बल्कि वन्यजीवों के सामने भी अपने पर्यावास क्षेत्र को बचाने की मुश्किल पेश आ रही है। पेड़-पौधों के अस्तित्व पर इसका कैसा असर पड़ रहा है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

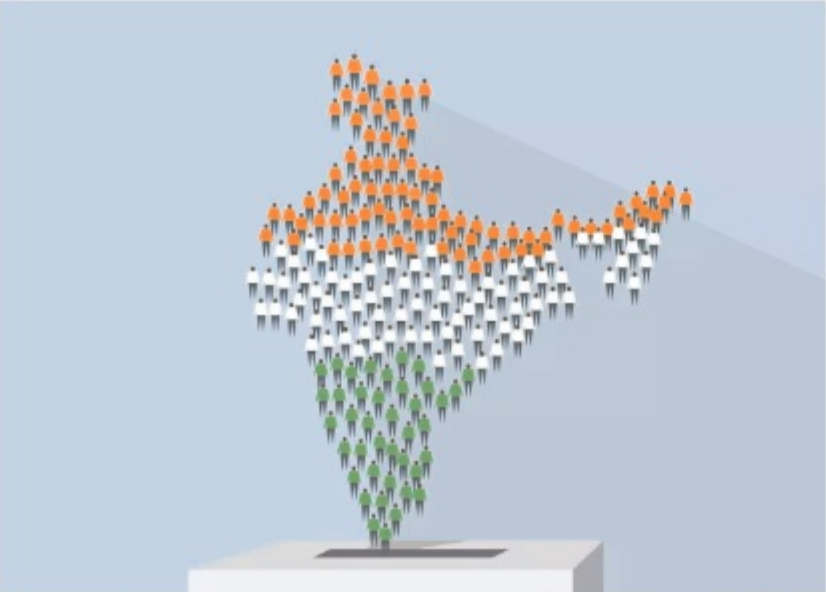
पर्यावरण पर ईमानदार इच्छाशक्ति को लेकर ठोस पहल हो

स्वार्थ और कामचोरी की

मानसिकता से खोखला होता देश

(डॉ. रवीन्द्र अरजरिया)

लोकतांत्रिक राष्ट्र की प्रगति, स्थिरता और वैश्विक साख उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की ईमानदारी, कानून के निष्पक्ष शासन और नागरिकों के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण पर टिकी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं वहां आज एक ऐसी अदृश्य और आत्मघाती बीमारी जड़ जमा चुकी है जो सीमाओं पर खड़े दुश्मनों से भी कहीं अधिक खतरनाक है। यह बीमारी है स्वार्थ, कामचोरी और भ्रष्टाचार की वह गहरी मानसिकता, जो आज हमारे तंत्र के भीतर दीमक की तरह काम कर रही है और राष्ट्र के बुनियादी ढांचे को अंदर से खोखला बना रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में जब हम एक महाराष्ट्रिक बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होना चाहिए था तब हमारी ऊर्जा, संसाधन और समय व्यवस्था की आंतरिक विमंगलियों से लड़ने में नष्ट हो रहे हैं। आज देश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी, अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक विभाग बचा हो जहां आम आदमी बिना किसी मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक देरी या अनुचित वित्तीय समझौते के अपना जायज और वैध काम करवा सके। कार्यालयों में कुर्सियों पर बैठे अधिकारि अधिकारी और कर्मचारी अपने ‘लोकसेवक’ होने के मूल चरित्र और संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह विमृत् कर चुके हैं। केंद्रीय और राज्य स्वतर्कता आयोगों की वार्षिक रिपोर्टें पर दृष्टि डालें तो हर साल देश में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के हजारों मामले दर्ज होते हैं। यह स्थिति यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सार्वजनिक विभागों की वर्तमान कार्यशैली पूरी तरह से जनविरोधी और संवेदनहीन हो चुकी है। इन विभागों में नियमों और कानूनों का निर्माण जनहित को सुगम बनाने के लिए किया गया था लेकिन वर्तमान में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे ‘सुविधा शुल्क’ यानी रिश्तत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्तत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, कांटेर से कांटेर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि जब इन अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके मूल दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रश्न कियेजाते हैं या जवाबदेही तय करने का प्रयास किया जाता है तो वे तुरंत अपने अधिकारों, विशेषाधिकारों और



कर्मचारी यूनियनों की दुहाई देने लगते हैं। अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और कामचोरी की छिपाने के लिए वे कामबंदी, हड़ताल या न्यायिक प्रक्रियाओं की शरण लेते हैं। कर्तव्यों की पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अधिकारों का यह शोर अब देश के विकास की गति को दबाते पीछे धकेल रहा है। इस प्रशासनिक सड़न और नैतिक पतन का सबसे वीभत्स और डरावना रूप हमें देश की कानून-व्यवस्था और न्याय प्रणाली में देखने को मिलता है। समाज में आज एक अत्यंत खतरनाक और निराशाजनक धारणा मजबूत होती जा रही है कि कानून का डंडा सिर्फ कमजोरों, गरीबों और लाचारों को दबाने के लिए ही चलता है। समाज के बाहुबली, धनबली, भौंडबली और उच्च राजनीतिक पहुंच रखने वाले दबंग लोग सरेंआम कानून की धज्जियां उड़ते हुए प्रशासनिक तंत्र के मुंह पर तमाका मारकर ठहके लगाते हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों से आई भौंड तंत्र द्वारा की गई हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न माफियाओं द्वारा पुलिस व कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर सीधे हमलों की घटनाएं इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि अपराधियों के मन से कानून का खौफ पूरी तरह समाप्त हो चुका है। ये ताकतवर तत्व हमारे कानून के लचीलेपन और न्याय प्रक्रिया में होने वाली देरी का पूरा फायदा उठाते हैं। एक तरफ जहां एक छोटी सी अनजानी गलती करने वाला गरीब व्यक्ति बिना मुकदमे के लंबे समय तक जेलों में विचाराधीन कैदी के रूप में सड़ता रहता है वहीं दूसरी तरफ बड़े घोटालों, हत्या, और जघन्य अपराधों के रसूखदार आरोपी महंगे वकीलों की फौज खड़ी करके अदालतों से तारीख पर तारीख लेकर और कानून की तकनीकी कमियों का लाभ उठाकर अग्रिम जमानत पर बाहर घूमते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक और शर्मनाक स्थिति तब उत्पन्न होती

है जब कानून के रक्षक ही भक्षक की भूमिका में अवतरित हो जाते हैं। अनेक जांच रिपोर्टें और अदालती टिप्पणियों में यह स्पष्ट हो चुका है कि पुलिस और जांच एजेंसियों के अनेक उच्चाधिकारी राजनैतिक आकाओं के दबाव, भारी-भरकम वित्तीय लाभ के लालच तथा अन्य कारणों से खतरनाक अपराधियों, भू-गाफियाओं, ड्रग तस्करों और बड़े कॉर्पोरेट अपराधियों को बचाने की सुनियोजित प्रयास करते हैं। उन पर प्राथमिक जांच में हिलाई बरतने, साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने, कमजोर चार्जशीट दाखिल करने और न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष के मामले को जानबूझकर इस तरह कमजोर करने के आरोप लगते रहे हैं कि अपराधी को संदेह का लाभ मिलकर वह आसानी से बरी हो सके। शक्ति, संपत्ति और सत्ता के इस भयावह और अनैतिक गठजोड़ के मध्य समाज के बलशाली और रसूखदार लोग हर बार साफ बच निकलते हैं जबकि समाज का निरीह, गरीब, शोषित और बेसहारा नागरिक न्याय के इसी जटिल शिकंजे के आरोप लगते रहे हैं कि अपराधी को संदेह का लाभ मिलकर वह आसानी से बरी हो सके। शक्ति, संपत्ति और सत्ता के इस भयावह और अनैतिक गठजोड़ के मध्य समाज के बलशाली और रसूखदार लोग हर बार साफ बच निकलते हैं जबकि समाज का निरीह, गरीब, शोषित और बेसहारा नागरिक न्याय के इसी जटिल शिकंजे में तड़फ-तड़फ कर दम तोड़ देता है। न्याय की यह दोहरी व्यवस्था समाज में एक गहरे असंतोष और आक्रोश की जन्म दे रही है जो किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस व्यवस्था की संवेदनहीनता और स्वार्थपरता का एक और अत्यंत दुखद और काला अध्याय सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देखने को मिलता है। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के तहत सरकारें हर साल गरीबों, वंचितों, महिलाओं और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के उत्थान के नाम पर बजट में अरबों-खरबों रुपये का प्रावधान करती हैं लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज फजीई दस्तावेजों, नकली पहचान पत्रों और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत के सहारे अपात्र, अमीर और बिचौलिए लोगों द्वारा उन सभी सरकारी

सुविधाओं, मुफ्त राशन, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं का अवैध रूप से लाभ उठया जा रहा है, जो वास्तव में समाज के अत्यंत निर्धन वर्ग के लिए आरक्षित थीं। एक तरफ जहां इन अपात्रों और जालसाजों को बिना किसी कठिनाई के तंत्र की सक्रिय मिलीभगत से सब कुछ आसानी से प्राप्त हो जाता है वहीं दूसरी तरफ समाज के असली हकदार और अत्यंत पात्र लोग हैं, उन्हें अपनी पात्रता प्रमाणित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। एक लाचार वृद्ध महिला को अपनी मामूली मासिक पेंशन के लिए, एक दिव्यांग को अपने चिकित्सा प्रमाण पत्र के लिए या एक पीड़ित किसान को अपनी नष्ट हुई फसल के मुआवजे के लिए महीनों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, बाबुओं की मित्रते करनी पड़ती हैं और कई बार तो स्वयं को जीवित या पात्र साबित करने के लिए भी अपनी जेब से रिश्तत देनी पड़ती है। यह स्थिति न केवल मानवाधिकारों का हनन है बल्कि देश के नागरिकों का अपनी ही चुनौी हुई सरकार, कार्यपालिका के कथित लोकसेवकों और व्यवस्था पर से विश्वास उठाने वाली है। यह संपूर्ण भयावह स्थिति केवल कुछ व्यक्तियों या कुछ विभागों के भ्रष्ट होने का सीमित मामला नहीं है, बल्कि यह एक पूरे समाज और प्रशासनिक तंत्र की सामूहिक नैतिक गिरावट और राष्ट्रीय चेतना के शून्य होने को दर्शाती है। जब किसी राष्ट्र में कामचोरी को एक चालाकी भरा अधिकार और व्यक्तिगत स्वार्थ को बुद्धिमानी मानकर समाज में प्रतिष्ठ मिलने लगे तो उस देश का आंतरिक पतन निश्चित हो जाता है। हम बाहरी तौर पर बुनियादी ढांचे के विकास, चमचमारी एक्सप्रेस-वे सड़कों, गगनचुंबी इमारतों और डिजिटल इंडिया की तकनीकी प्रगति की बात तो बड़े गर्व से करते हैं लेकिन जब तक इन सरकारी दफ्तरों और वातानुकूलित केबिनों में बैठने वाले कार्यपालिका के कथित लोकसेवकों की मानसिकता में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और राष्ट्रीयता का प्राथमिक भाव नहीं जागेगा तब तक देश की तख्ती और विश्व गुरु बनने का हर दावा खोखला, सतही और झूठा साबित होगा। ऐसे में भ्रष्टाचार के खिलाफ ‘जीरो टॉलरेंस’ की नीति को केवल राजनीतिक नारों तक सीमित न रखकर धरातल पर कड़ाई से लागू करना होगा। कामचोर, निकम्मे और भ्रष्ट अधिकारियों पर त्वरित, अनुकरणीय और कठोर दंडात्मक कार्रवाई करनी होगी तभी तंत्र में एक स्पष्ट संदेश जाए। इतिहास गवाह है कि आंतरिक रूप से खोखले हो चुके राष्ट्र भी महाराष्ट्रियों की दौड़ में बहुत पीछे छूट जाते हैं। देश के अस्तित्व और स्वाभिमान को अक्षुण्ण रखने के लिए हर नागरिक और लोकसेवक को अपने अधिकारों की दुहाई देने से पहले अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों को सर्वोपरि मानना ही होगा, तभी एक सशक्त और समृद्ध भारत का स्वप्न साकार हो सकेगा।

विचार-पक्ष

भिलाई, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

4

ज्ञान बहुत है, लेकिन सीखना कितना हुआ असली कसौटी व्यवहार में दिखती है

(एकता कानूनगो बक्षी)

आज हमारे पास ज्ञान और सूचनाओं की प्रचुरता है। बहुत-सी बातें हमें बिना मांगे ही परोस दी जाती हैं, चाहे उनकी आवश्यकता हो या नहीं। कभी कहा जाता था कि सीखने-समझने के लिए इच्छाशक्ति का होना सबसे आवश्यक है। यह बात अब किसी बीते हुए समय की प्रतीत होती है। उस समय की, जब सही ज्ञान प्राप्त करने के लिए संघर्ष, धैर्य और निरंतर परिश्रम करना पड़ता था। सीखना तब एक साधना थी। अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को सिद्ध करना पड़ता था। स्वयं को उस स्तर तक विकसित करना होता था कि किसी योग्य शिक्षक का सान्निध्य मिल सके, अच्छे पुस्तकें उपलब्ध हो सकें। यह सब अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता था। निरंतर प्रयत्नशील रहने पर ही ज्ञान के वे द्वार खुल पाते थे। शायद इसी कारण उस लंबी प्रक्रिया से होकर निकलने वाले लोगों के भीतर अध्ययन, श्रम, धैर्य और उदात्त स्वभाविक रूप से विकसित हो जाते थे। इस धीमी साधना में तपे हुए लोगों में ऐसे अनेक विद्वान मिलते थे, जो केवल अपने विषय के विशेषज्ञ नहीं होते थे, बल्कि जीवन के अनेक आयामों पर भी उनकी गहरी पकड़ होती थी।

आज का समय इससे बिल्कुल अलग है। इच्छाशक्ति कमजोर हो, तब भी ज्ञान और जानकारी सहज उपलब्ध है। यहां हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए अर्जित ज्ञान की बात नहीं कर रहे, क्योंकि वह किसी एक विषय का विशेषज्ञ बना सकता है। हम उस ज्ञान की बात कर रहे हैं, जो जीवन का निर्माण करता है, व्यक्तिव को आकार देता है। किसी एक विषय का बड़ा जानकार भी अगर एक बेहतर मनुष्य न बन सके, तो जीवन की वास्तविक परीक्षा में वह कहीं न कहीं अनुत्तीर्ण ही माना जाएगा। आज हमारे पास ज्ञान और सूचनाओं की प्रचुरता है। बहुत-सी बातें हमें बिना मांगे ही परोस दी जाती हैं, चाहे उनकी आवश्यकता हो या नहीं। सोशल मीडिया के इस युग में सीखने वाले के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। अब चुनाव हमारे हाथ में है कि हम किसे चुनेंगे, क्या समझेंगे, कितना समझेंगे और उस समझ का उपयोग किस प्रकार करेंगे। जानकारियों को आत्मसात करने के लिए हमारे भीतर पहले से ही एक अदृढ़ व्यवस्था मौजूद है। जैसे भोजन करते समय हम प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा सब कुछ एक साथ ग्रहण करते हैं, लेकिन हमारा शरीर उन्हें अलग-अलग प्रक्रियाओं से पचाकर अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करता है, वैसे ही हमारा मस्तिष्क भी सूचनाओं

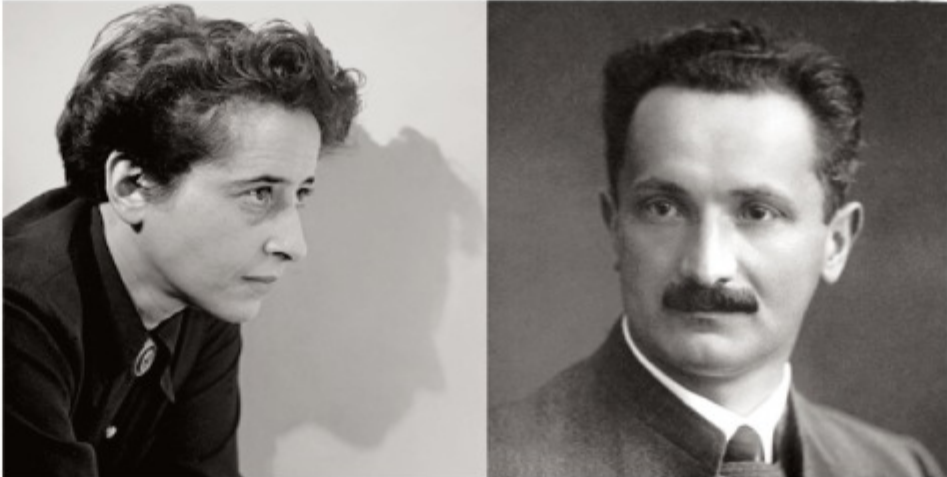
को ग्रहण करता है और अपने स्वभाव तथा प्रवृत्ति के अनुसार उनका उपयोग करने लगता है। यही कारण है कि अच्छा पढ़ लेने, अच्छा सुन लेने या बहुत कुछ सीख लेने भर से यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि मनुष्य अच्छा ही करेगा। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह सीख क्यों रहा है। उसका उद्देश्य उसके अध्ययन से कहीं अधिक निर्णायक हो जाता है। कोई व्यक्ति ईश्वर का नाम ले सकता है, धर्मग्रंथ पढ़ सकता है और अच्छे विचारों की चर्चा कर सकता है, लेकिन यदि उसके भीतर लोभ, ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार कायम है, तो वह अपने ज्ञान का उपयोग ही उन्हीं प्रवृत्तियों के अनुरूप करेगा। ज्ञान की वास्तविक साधकता तभी है, जब वह हमारे भीतर के स्वार्थ से आगे बढ़कर हमारे व्यवहार को बदल सके। कुछ लोग किसी विचारधारा के लेखकों या प्रभावशाली वक्ताओं को केवल इसलिए सुनने लगते हैं कि उनसे जुड़े लोगों का साथ उन्हें आकर्षित करता है। कुछ लोग किसी सामाजिक संबंधों का विस्तार करना चाहते हैं, तो कुछ अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए विशेष प्रकार की सामग्री चुनते हैं। कुछ लोगों का उद्देश्य केवल स्वयं को विद्वान सिद्ध करना होता है। वे पढ़ते हैं, सुनते हैं, अच्छे विचारों को कंठस्थ कर लेते हैं और अक्सर अपने पर उन्हें प्रभावशाली ढंग से दोहरा देते हैं। इस प्रकार, बिना भीतर से स्वयं को बदले भी वे प्रशंसा और अच्छी छवि अर्जित कर लेते हैं। मगर शायद ही ऐसा कोई ज्ञान हो, जिसे जीवन में कभी परखने का अवसर न मिले। परिस्थितियां बार-बार ऐसी बनती हैं, जब व्यक्ति को अपने अर्जित ज्ञान के पक्ष में खड़ा होना पड़ता है। वहीं यह स्पष्ट होता है कि ज्ञान केवल दिखावे का हिस्सा था या वास्तव में व्यक्तिव का हिस्सा बन चुका है। हम देखते हैं कि बहुत कम लोग अपने ज्ञान को व्यवहार में उतारने का साहस जुटा पाते हैं। अपने लिए, अपने परिवार और अपने परिचित समाज के प्रति वे विनम्र दिखाई दे सकते हैं, लेकिन उनके भीतर वास्तविक परिवर्तन नहीं आया है, तो वे व्यापक समाज के प्रति भी उसी ज्ञान का न्यायपूर्ण और संवेदनशील उपयोग नहीं कर पाते। जिन तथ्यों और संदर्भों को वे कभी बड़े आत्मविश्वास के साथ दोहराते थे, जीवन की कठिन घड़ी में वही शब्द उनका साथ नहीं दे पाते। तब उनके भीतर का खोखलापन, बनाबटीपन और असंवेदनशीलता स्वयं प्रकट हो जाती है।

इसलिए सीखने की सच्ची कसौटी यह नहीं कि हमने कितना पढ़ा, कितना सुना या कितनी बातें याद रखीं।

हाइडेगर और आरेंट -जब प्रेम के साथ चलता रहा विचार और मतभेद

(राकेश सिन्हा)

हाइडेगर और आरेंट के सामने साथ रहने या बिछड़ने का विकल्प था। हाइडेगर ने जर्मनी नहीं छोड़ा और आरेंट अमेरिका चली गई। हाइडेगर नाजी पार्टी से जुड़े, जिसको बाद में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी मूर्खता माना। प्रेम के अनेक प्रसंग और रूप हैं, जिनका भरपूर उल्लेख साहित्य में मिलता है। उनकी नियति कहानियां बनकर रह जाने में है। मगर एक प्रेम कहानी विचारों की दुनिया से है, जो बौद्धिकता की बुनियाद पर टिकी है। इसके महत्त्व का ऐतिहासिक कारण है। इसने नाजीवाद को परास्त किया था। इसलिए यह मात्र प्रेम कहानी नहीं है। इसमें रचनात्मक बौद्धिकता और सामाजिकता के साथ-साथ मतांतर, मतभेद और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मानवीय संवेदनशीलता को जीवित रखने का संदेश है। विज्ञान, तकनीक तथा जानकारियों की उपलब्धता के साधनों और भौतिक सुविधाओं के सहारे उन्नति के इस युग में साहित्य और समाजशास्त्र मानव मन को संतुलित रखने, सामाजिक बने रहने तथा वैज्ञानिक खोज को मन, विवेक एवं बुद्धि के नियंत्रण में रखने की क्षमता विकसित करने में पूरी तरह निष्फल सिद्ध हो रहा है। नाजीवादी प्रतिक्रूलताओं के बीच मार्टिन हाइडेगर (1889-1976) और हाना आरेंट (1906-1975) का प्रेम वैचारिक दूरिता एवं बौद्धिक कायरता दोनों से मुक्त पाने का संदेश देता है। हाइडेगर की बौद्धिकता से प्रभावित होकर आरेंट उम्र में सत्रह वर्षों के अंतर के बावजूद उनसे प्रेम करने लगीं। दोनों में एक-दूसरे की तरह बनावे की ललक तो थी, मगर उन्होंने अपने स्व को भी अबाध रखा। ऐसे प्रेम के लिए उपयुक्त शब्दों का प्रयोग करने में कवियों को भी परिश्रम करना पड़ता है। मृत्यु की चेतना से समय की अहमियत तक हाइडेगर बीसवीं शताब्दी के प्रभावशाली समाजशास्त्रियों में से एक थे। ‘बीइंग एंड टाइम’ (1927) उनकी महत्वपूर्ण रचना है, जिस पर आरेंट की छाप है। उन्होंने अस्तित्व,



तकनीक, भाषा और आधुनिक सभ्यता को देखने का तरीका बदला। उनके अनुसार, मृत्यु जीवन का केवल अंतिम क्षण नहीं है। मृत्यु की चेतना बताती है कि मनुष्य का जीवन सीमित है। इसलिए समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। तकनीक पर उनका विचार तब विवादिित जरूर था, पर आज निर्विवादित बन गया। यह मनुष्य और प्रकृति को संसाधनों से तथा ज्ञान को उपयोगिता और समय को उत्पादकता से जोड़ता है। हाना आरेंट की सबसे प्रसिद्ध पुस्तक 'द ओरिजिन्स ऑफ टोटलिटेरियजिज्म' (आधुनायकवाद की उत्पत्ति) है। दूसरी ‘बैनेलेटी ऑफ इखिल’ है। इसमें उन्होंने बुराई के लिए आदेश का पालन करने वाले नोकरशाहों को भी जिम्मेदार माना है। एड्लेल्ड हिटलर का जर्मनी में उदय हुआ। नाजीवाद ने मानवता को झकझोर दिया। यह तानाशाहों का काल था। रूस में जोसेफ स्टालिन का, तो इटली में मुसोलिनी के फासीवाद के दौर का। जापानी और अंग्रेज शासकों ने कूरुता की कमी नहीं थी। हाइडेगर और आरेंट के सामने

साथ रहने या बिछड़ने का विकल्प था। हाइडेगर ने जर्मनी नहीं छोड़ा और आरेंट अमेरिका चली गई। हाइडेगर नाजी पार्टी से जुड़े, जिसको बाद में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी मूर्खता माना। आरेंट उन्हें ‘चिंतन का राजा’ मानती थीं। फिर भी 1946 में वह हाइडेगर को ‘संभावित हत्यारा’ कहने में नहीं हिचकीं। यह आरेंट का चिंतकों के लिए बड़ा संदेश है कि स्वर्ग के बारे में सोचने-सोचते इतना मग्न न हो जाए कि सामने के कुएं में ही गिर जाएं। हाइडेगर सहित जर्मनी के ज्यादातर बुद्धिजीवियों का अपराध यह था कि वे वह नहीं कर पाए, जो थॉमस मान (1875-1955) या कार्ल वॉले ओसिंसप्ट्ज़की (1889-1938) ने किया। मान खोलें रूप में नाजीवाद के खिलाफ थे, तो ओसिंसप्ट्ज़की पत्रकार के रूप में हिटलर के कुकृत्यों को सामने लाए। यह दिखाता है कि खीफ के बीच भी रचनात्मकता ने दम नहीं तोड़ा। एचजी वेल्स ने पेरिस में पुस्तकों को बचाने के लिए पुस्तकालय खोला। जॉर्ज ऑरवेल ने

लोगों को मानसिक मजबूती देने का काम किया। नाजीवाद के अंत के बाद आरेंट और हाइडेगर का पुनर्मिलन हुआ। विचार ने इसकी मध्यस्थता की। विचार के प्रति ललक ने प्रेम और सामाजिकता दोनों को मरने नहीं दिया। जब वे 9 फरवरी 1950 को मिले, तो आरेंट का उद्गार था- ‘ऐसा क्षण जैसे अचानक समय ठहर गया है।’ उन्होंने एक पत्र में लिखा था कि मारखर्ग छोड़ते समय अपने संबंधों को पूरी तरह समाप्त नहीं मानकर उन्होंने अक्षय्य विश्वासघात करने और अपने जीवन को विगाड़ने से बचा लिया।

विचार अलग हों, संवाद क्यों खत्म हो - द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान और उसके बाद बौद्धिकता के प्रवाह ने जब नए मानव जीवन की खोज शुरू की, तो पूंजीवाद और साम्यवाद के झगड़े ने उसे खंडित कर दिया। बौद्धिकता को वैचारिक कारखानों का उत्पाद मात्र बना दिया गया। स्वतंत्र मन और स्वायत्त विचार दुर्लभतम चीजें बन गईं। इसका परिणाम कटुतापूर्ण ध्वंसीकरण के रूप में सामने आया। विचारों का अंतर संवाद, सामाजिकता और गुणग्राहकता का अंत नहीं होना चाहिए। हाइडेगर और आरेंट ने इसका उदाहरण बनकर दिखाया। आरेंट ने हाइडेगर को वैचारिक अपराध के कारण और हाइडेगर ने आरेंट को उस अपराध के विरोध में खड़ा होने के कारण एक-दूसरे के प्रति कटुता को अंकुरित नहीं होने दिया। वे दूसरे को सुजना या संशोधन करते रहे। इन दोनों की बातचीत और प्रेम पत्रों में मानवता के प्रश्नों को सुलझाने के लिए विचारों की तलाश होती थी। जब वे मिले थे, तब आरेंट 19 वर्ष की तथा हाइडेगर 36 वर्ष के थे और पुनर्मिलन सह्रह वर्षों के बाद हुआ, मगर चिंतन की दुनिया को इस उथल-पुथल से क्षति नहीं हुई। हाइडेगर इस बात की निष्ठा जताते थे कि आधुनिक सभ्यता को खतरा ‘चिंतन विहीनता’ से है। ऐसा नहीं है कि लोग सोच नहीं सकते, बल्कि वे सोचने से भागने लगे हैं।

एनएमडीसी बस्तर की 50 जनजातीय बेटियों को नर्सिंग शिक्षा के लिए करेगा सशक्त

प्रत्येक छात्रा की शिक्षा पर ₹12 लाख से अधिक व्यय; शिक्षा, आवास, भोजन एवं अन्य आवश्यक खर्चों का पूरा भार उठाएगा एनएमडीसी

बचेली, : जनजातीय बेटियों के सपनों को उज्ज्वल भविष्य के अवसरों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, एनएमडीसी लिमिटेड की बचेली परियोजना बस्तर क्षेत्र की चर्यानि 50 छात्राओं को आंध्र प्रदेश के चित्तूर स्थित अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी.) नर्सिंग पाठ्यक्रम की शिक्षा प्राप्त करने के लिए व्यापक सहायता प्रदान कर रही है। एनएमडीसी की महत्वाकांक्षी 'बालिका शिक्षा योजना' के अंतर्गत कंपनी प्रत्येक छात्रा पर ₹12 लाख से अधिक व्यय करेगी तथा उनकी शिक्षा एवं उससे संबंधित सभी आवश्यक खर्चों का वहन करेगी। सभी 50 छात्राओं पर ₹6 करोड़ से अधिक का कुल व्यय करने वाली यह पहल, आर्थिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना, प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद जनजातीय बालिकाओं को व्यावसायिक उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नर्सिंग शिक्षा, आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का पूरा खर्च उठाकर एनएमडीसी यह सुनिश्चित कर रहा



है कि इन युवतियों को अपनी शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करने में आर्थिक बाधाओं का सामना न करना पड़े। चर्यानि छात्राओं के व्यावसायिक नर्सिंग करियर की दिशा में नई यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर 12 अक्टूबर, 2026 को बचेली स्थित मंगल भवन में अधिष्ठापन कार्यक्रम एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनएमडीसी बचेली कॉम्प्लेक्स के परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रीमती नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन); जौसी थॉमस, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन - सीएसआर); एस. आर.

डेहरिया उप महाप्रबंधक (सिविल), एनएमडीसी अपोलो अस्पताल, बचेली के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद पांडेय सहित अन्य अधिकारी, विभागाध्यक्ष, श्रमिक संघों के प्रतिनिधि, सीएसआर विभाग के कार्यात्मक तथा चर्यानि छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। छात्राओं को संबोधित करते हुए श्रीधर कोडाली ने उनकी शैक्षणिक यात्रा और व्यावसायिक आकांक्षाओं को सहयोग देने के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने तथा सफल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से आश्वासन दिया कि उनकी शिक्षा से संबंधित

संपूर्ण वित्तीय दायित्व एनएमडीसी द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा, -एनएमडीसी इस पूरी यात्रा में आपके साथ है। आपको जिम्मेदारी है कि आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें, अपने कोशल का विकास करें और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें। इस पाठ्यक्रम पर एनएमडीसी प्रत्येक छात्रा के लिए 12 लाख से अधिक व्यय कर रहा है और आपकी नर्सिंग शिक्षा से संबंधित सभी खर्चों का वहन करेगा। इसलिए आप आर्थिक बोझ को चिंता किए बिना अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। हमें आशा है कि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आप समाज के लिए उपयोगी योगदान देंगी और बस्तर क्षेत्र का गौरव बढ़ाएंगी।- अधिष्ठापन कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को व्यावसायिक नर्सिंग शिक्षा की अपेक्षाओं तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया गया। अधिकारियों एवं श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना: उत्कृष्ट कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले को मिला राष्ट्रीय सम्मान

दंतेवाड़ा। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों और किसानों की उन्नति के लिए किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले को Certificate of E&cellence से सम्मानित किया गया है।



कलेक्टर देवेश कुमार ध्वव के मार्गदर्शन में जिले में कृषि विकास और किसान कल्याण से जुड़े प्रयासों को लगातार गति दी जा रही है। यह सम्मान कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने, किसानों की प्रगति सुनिश्चित करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना और किसानों को

बेहतर कृषि संसाधन उपलब्ध कराना है। जनजातीय बहुल दंतेवाड़ा जिले के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है, जो ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में मददगार साबित होगी। देश के 100 आकांक्षी (कमजोर या पिछड़े) कृषि जिलों में खेती की स्थिति में सुधार लाना, उत्पादकता बढ़ाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। जिलों की पहचान कम उत्पादकता, कम फसल सघनता (क्रॉप इंटेंसिटी)

और कमजोर कृषि ऋण (केसीसी) वितरण प्रणाली के आधार पर की गई है। हर खेत तक सिंचाई पहुंचाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भंडारण (वेयरहाउस) क्षमता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और आसान एवं सस्ता ऋण उपलब्ध कराना है। यह सम्मान कृषि विभाग के अधिकारियों, मैदानी अमले और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना है, जो कृषि को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाने के संकल्प को और मजबूत करता है।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार से संबलपुर निवासी राजेंद्र कुमार को मिली राहत

कांकेर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और सेवा संकल्प अभियान आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम तरहुल में जिला स्तरीय सेवा सेतु अंतर्गत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में संबलपुर निवासी राजेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों ने उनकी जांच कर आवश्यक परामर्श दिया और उपचार उपलब्ध कराया। शिविर में उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। राजेंद्र कुमार ने बताया कि शिविर के माध्यम से उन्हें अपने गांव के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श की

सुविधा मिली। उपचार के साथ निःशुल्क दवाइयां मिलने से उन्हें काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी हैं, क्योंकि इससे समय और धन दोनों की बचत होती है।

निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं से ग्रामीणों को राहत

ग्राम तरहुल में आयोजित जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। ग्रामीणों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार और दवाइयां प्रदान की गई। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। राजेंद्र कुमार ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा सेतु शिविर बना राहत का सहारा, अमोदिनी विश्वास को निःशुल्क नेत्र जांच के साथ मिला



कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर सह मेगा स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंदों के लिए राहत और सुविधा का माध्यम बन रहा है। शिविर में पक्षांजूर तहसील के संगम बाजार पारा निवासी श्रीमती अमोदिनी विश्वास को निःशुल्क नेत्र जांच के साथ चरमा प्रदान किया गया, जिससे उन्हें बेहतर दृष्टि की दिशा में सहायता मिली। श्रीमती अमोदिनी विश्वास शिविर में संचालित नेत्र जांच काउंटर पर पहुंचीं, जहां विशेषज्ञों द्वारा उनकी आंखों की जांच की गई। जांच के

बाद उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क चरमा उपलब्ध कराया गया। शिविर में एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच और आवश्यक सुविधा मिलने से उन्हें काफी सहूलियत मिली। श्रीमती अमोदिनी विश्वास ने बताया कि यदि उन्हें अपनी आंखों की जांच निजी चिकित्सक के पास जाकर करानी पड़ती, तो डॉक्टर की फीस और चरमे के लिए पैसे खर्च करने पड़ते। लेकिन सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में उनकी आंखों की जांच निःशुल्क हुई और उन्हें चरमा भी बिना किसी खर्च के मिल गया। इससे उनके पैसे और समय दोनों की बचत हुई।

मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना से सविता सरकार को मिली 20 हजार की सहायता

कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महला में आयोजित सेवा सेतु शिविर में पी.व्ही. 107 निवासी सविता सरकार को मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 20 हजार की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। सांसद भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक विक्रम देव उसेंडी एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार ने उन्हें चेक वितरित किया। सविता सरकार इस राशि का उपयोग अपने घर के ज़रूरी कामों में करेंगी। उन्होंने सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय



के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन से मिली यह राशि उनके सपने को पूरा करने में सहायक होगी। वरिष्ठ श्रमिकों को आर्थिक संबल देने की पहल-मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना छत्तीसगढ़ के पंजीकृत

निर्माण श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 20 हजार की एकमुश्त सहायता दी जाती है। यह राशि श्रमिकों को जीवन के इस पड़ाव पर आर्थिक संबल प्रदान करने में सहायक है। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से सविता सरकार तक योजना का लाभ पहुंचाना शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने की पहल को दर्शाता है।

आईटीआई के छात्रों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए किया गया प्रेरित

बलौदाबाजार। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सक्की, बलौदाबाजार में विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को एक प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शिवकुमार कंवर ने विद्यार्थियों को लघु उद्यम स्थापित करने तथा सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार एक व्यक्ति अपने कौशल, मेहनत और सही योजना के माध्यम से स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकता है। उन्होंने बैंक के माध्यम से उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बलौदाबाजार में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी आरसेटी के माध्यम से अपनी रूचि एवं योग्यता के अनुसार

सुपर गर्ल प्रतियोगिता में खैरगुड़ा की एंजल बघेल ने हासिल किया प्रथम स्थान

भाषण विधा में जिले में प्रथम आकर बढ़ाया विद्यालय का मान, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दी बधाई

बस्तर। जिला स्तरीय सुपर गर्ल प्रतियोगिता में विकासखंड बस्तर के प्राथमिक शाला खैरगुड़ा की छात्रा एंजल बघेल ने भाषण विधा में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। छात्रा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता में एंजल ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भाषण विधा में जिले में पहला स्थान हासिल किया। उनकी सफलता को विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।छात्रा की इस सफलता पर बीईओ भारतीय देवांगन, प्रभाव अय्यापक छू राम मंडवी, बीआरसी अजय्वर कोरंम, सीएसी कृष्णा सिंह ठाकुर



एवं शिक्षिका इंदुमती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एंजल को बधाई दी। उन्होंने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और निरंतर मेहनत के

साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। एंजल की उपलब्धि से प्राथमिक शाला खैरगुड़ा का गौरव बढ़ा है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

बीजापुर । जनपद पंचायत बीजापुर के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रा चौबे की अध्यक्षता में विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए ग्राम पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों एवं संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।



वीबी-जी-रामजी योजना की समीक्षा करते हुए श्रमिकों की संख्या बढ़ने, ग्राम पंचायतों में अधिक से अधिक डबरी एवं तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ करने तथा एनएमएस (इस्कु) के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ग्रामीणों को रोजगार

उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्यक्रमोजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। *प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)-अंगरंग स्वीकृत आवसों का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने तथा स्पेशल प्रोजेक्ट के अंतर्गत आवश्यक

दस्तावेजों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिला समन्वयक सहित संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों को आवास निर्माण कार्यों की प्रगति पर सतत निगरानी रखने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया।

*स्वच्छ भारत मिशन के निर्माण कार्यों में लाएं तेजी-स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों को कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने को कहा गया।

कॉट। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी छोर पर स्थित सुकमा जिले के सीमावर्ती नगर कोटा में इन दिनों आस्था, भक्ति और संस्कृति का अनुभूत संगम देखने को मिल रहा है। नगर के प्राचीन श्री श्री माणिकेश्वर शिवालय में शारदीय नवरात्रि का पर्व पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। मंदिर में विराजमान मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगना से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के चलते मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की कतारें लग रही हैं।



सात दशकों से कायम है धार्मिक परंपरा-कॉटा के माणिकेश्वर शिवालय की धार्मिक पहचान पूरे सीमावर्ती क्षेत्र में विशेष स्थान रखती है। यहां करीब 70 वर्षों से जली आ रही नवरात्रि की परंपरा आज भी पूरी

श्रद्धा और भव्यता के साथ निभाई जा रही है। मां दुर्गा के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का अंदाजा मंदिर में उमड़ रही भीड़ से लगाया जा सकता है। स्थानीय मान्यता है कि सच्चे मन से मां के दरबार में प्रार्थना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के चलते आसपास के गांवों और पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

दशहरे पर निकलेगी भव्य झांकी, रावण दहन रहेगा मुख्य आकर्षण-नवरात्रि के समापन पर विजयादशमी के अवसर पर कोटा में दशहरा उत्सव विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस दौरान स्थानीय युवाओं और श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न पौराणिक पात्रों एवं देवी-देवताओं के स्वरूप में भव्य झांकियां निकाली जाएंगी। परंपरिक वेशभूषा और धार्मिक प्रस्तुतियों से सजी इन झांकियों को देखने के लिए क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। दशहरा उत्सव में नगर के अंतिम छोर पर होने वाला भव्य रावण दहन प्रमुख आकर्षण रहेगा। आतिशबाजी और उत्सवों माहौल के बीच रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छई की विजय का संदेश दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

किसानों ने श्रमदान से की लारिपारा व्यपवर्तन नहर की साफ सफाई

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत तखतपुर विकासखंड के ग्राम खरगहनी एवं खरगहना के किसानों ने सामूहिक श्रमदान कर लारिपारा व्यपवर्तन योजना की मुख्य नहर की सफाई की। दोनों गांवों के लगभग 10 से 15 किसानों ने इस कार्य में भाग लेकर मुख्य नहर के लगभग 2 से 3 किलोमीटर हिस्से की सफाई की। किसानों की इस पहल से नहर में पानी का प्रवाह सुचारु रखने और खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने में मदद मिलेगी। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से किसानों ने सिंचाई संसाधनों की देखभाल के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत किसानों का यह प्रयास जनसहभागिता का प्रेरक उदाहरण है। अपने खेतों की जरूरतों के साथ सामुदायिक सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया गया यह श्रमदान सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

नवरात्रि के पहले दिन गरबा-डॉडिया समितियों ने तोड़े प्रशासन के नियम, 15-20 मिनट अतिरिक्त चला आयोजन

कोरबा। नवरात्रि के पहले ही दिन गरबा-डॉडिया उत्सव समितियों की कार्यशैली ने प्रशासन के निर्देशों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने आयोजन समितियों के लिए रात 10 बजे तक की समय-सीमा निर्धारित की है, इसके बावजूद कुछ स्थानों पर तय समय के बाद भी गरबा-डॉडिया कार्यक्रम जारी रहे। पहले ही दिन 15 से 20 मिनट अतिरिक्त आयोजन चलने की स्थिति सामने आई। पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप और सख्ती के बाद आखिरकार कार्यक्रम बंद कराना पड़ा। इस घटनाक्रम से ऐसा प्रतीत हुआ कि कुछ आयोजन समितियां स्पष्ट निर्देशों के बावजूद प्रशासन को सहयोग करने के मूड में नहीं हैं। जब समय-सीमा पहले से तय है, तो फिर उसका पालन करने में आनाकानी क्यों? नवरात्रि के पहले दिन शहर के विभिन्न चैक-चौराहों, दुर्गा पूजा उत्सव स्थलों, गरबा-डॉडिया आयोजन स्थलों और दशहरा उत्सव समितियों के आसपास पुलिस प्रशासन की टीम मुस्तेदी से मौजूद रही। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आयोजनों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न कराने के लिए पुलिस की निगरानी रही। इसके बावजूद कुछ आयोजन स्थलों पर रात 10 बजे के बाद भी कार्यक्रम जारी रहने की स्थिति सामने आई। लेकिन उत्सव के पहले ही दिन कुछ आयोजनों में तय समय से अधिक कार्यक्रम जारी रहने की स्थिति सामने आई। शहर के फेस वन स्थित दुर्गा पूजा एवं दशहरा उत्सव समिति के आयोजन के दौरान रात 10 बजे के बाद भी गरबा कार्यक्रम जारी रहने की बात सामने आई। बताया गया कि समिति की ओर से पहले गरबा उत्सव के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय मांगा गया। इसके बाद भी कार्यक्रम जारी रहने पर पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और आयोजकों को निर्धारित समय-सीमा का पालन करने के लिए सख्त निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप और सख्ती के बाद आखिरकार कार्यक्रम बंद करवाया गया। जब आयोजन के लिए समय-सीमा पहले से निर्धारित है, तो उसके बाद भी कार्यक्रम जारी रखने की जरूरत क्यों पड़ रही है?

3 साल बाद दर्री-बरमपुर बायपास निर्माण शुरू: 83 करोड़ से बनेगी 8.20 केएम सड़क, रेलवे फाटकों पर जाम से मिलेगी राहत

कोरबा। शहर में भारी वाहनों के बढ़ते दबाव और जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रस्तावित दर्री-बरमपुर बायपास सड़क का निर्माण आखिरकार शुरू हो गया है। राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने के करीब तीन साल बाद नगर निगम और लोक निर्माण विभाग ने परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में काम तेज किया है। करीब 83 करोड़ रुपये की लागत से दर्री बराज से बरमपुर तक 8.20 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। फिहालाल सड़क के समतलीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं, मार्ग में बाधा बन रही पाइपलाइन और विद्युत पोल को शिफ्ट करने के साथ अतिरिक्तगण हटाने की प्रक्रिया भी चल रही है। नगर निगम ने एक माह के भीतर पाइपलाइन और पोल शिफ्टिंग का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बायपास सड़क बनने से कुसमुंडा, गेवरा और बांकीमोंगरा क्षेत्र से आने वाले कोयला परिवहन वाहनों को शहर के भीतरी मार्गों से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये वाहन बरमपुर नहर मार्ग से होते हुए सीधे दर्री बराज के पास कोरबा-कटघोरा मुख्य मार्ग से जुड़ सकेंगे। इससे सीएसईबी चैक, टीपी नगर, बुधवारी बाजार और बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाकों में भारी वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका घटने और आम नागरिकों को जाम से राहत मिलने की संभावना है। शहर में भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद कोयला परिवहन वाहनों का दबाव कम नहीं हो पा रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल का 42वाँ स्थापना दिवस समारोह 2026 साहस प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्टता का सम्मान:रेलवे सुरक्षा में समर्पण का प्रतीक

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल ने आज 12 अक्टूबर, 2026 को अपना 42वाँ स्थापना दिवस भव्य औपचारिक परेड तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के साथ इंस्टीट्यूट ग्राउंड, डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में मनाया। इस अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे से संपर्क की रक्षा तथा भारतीय रेल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति बल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। यह स्थापना दिवस 20 सितंबर, 1985 की ऐतिहासिक उपलब्धि का स्मरण कराता है, जब रेलवे सुरक्षा बल को सभ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान किया गया था। यह अवसर बल की संस्थागत विरासत, जनसेवा के प्रति उसके समर्पण तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता, परिचालन तत्परता और तकनीकी नवाचार के माध्यम से रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उसके निरंतर प्रयासों का उत्सव है। रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, डूब्रू ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री बुजमोहन अग्रवाल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (स्वच्छ) के महाप्रबंधक श्री तूरण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (छत्तक), रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महानिरीक्षक श्री मुनव्वर खुश्रौद तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, छत्तीसगढ़ प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। औपचारिक परेड: अनुशासन, साहस एवं परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन- 42वें स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण औपचारिक परेड रही, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के अनुशासन, व्यावसायिक दक्षता, तत्परता तथा परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। परेड में विभिन्न टुकड़ियों ने भाग लिया, जिनमें महिला टुकड़ी, ट्रड्मार्क कमांडो टुकड़ी, शान दस्ता तथा सेगवे टुकड़ी शामिल थीं। इन टुकड़ियों की भागीदारी ने बल की विविध क्षमताओं को प्रदर्शित किया, जिनमें विशेष

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सांस्कृतिक संघ द्वारा रेल क्लब में एक दिवसीय ‘वारली आर्ट वर्कशॉप’ का सफल आयोजन

पारंपरिक जनजातीय लोक कला से नई पीढ़ी को जोड़ने की पहल

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सांस्कृतिक संघ द्वारा कला एवं पारंपरिक लोक संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा नई पीढ़ी को भारतीय जनजातीय कला से जोड़ने के उद्देश्य से दिनांक 11 अक्टूबर 2026 को रेल क्लब, बिलासपुर में एक दिवसीय ‘वारली आर्ट वर्कशॉप’ का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पांच वर्ष से अधिक आयु के बच्चों सहित वयस्क प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वारली कला की बारीकियों को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री अरविंद मेश्राम, प्रधान मुख्य सामाग्री प्रबंधक एवं अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सांस्कृतिक संघ ने की। इस अवसर पर श्रीमती शिवरंजनी पो. वर्मा, उपाध्यक्षा, सांस्कृतिक संघ; श्रीमती निकिता अग्रवाल, सचिव, सांस्कृतिक संघ; श्रीमती पारिजात सतपथी; श्रीमती प्राची मित्तल; श्रीमती अर्पिता दुबे सहित रेलवे के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई वारली कला की आकर्षक एवं कलात्मक कृतियों की प्रदर्शनी रही। प्रदर्शनी में पारंपरिक जनजातीय जीवन, प्रकृति, सामाजिक गतिविधियों तथा लोकजीवन से जुड़े



विविध दृश्यों को वारली कला की विशिष्ट शैली में प्रस्तुत किया गया। इन कलाकृतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर सेक्रेटरी अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में तथा सेक्रेटरी सचिव श्रीमती वैशाली भटनागर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों एवं अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन

किया और प्रतिभागियों की कलात्मक अभिव्यक्ति, रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा वारली आर्ट के प्रशिक्षक श्री अरुण यादव, श्री राज साहू एवं उनकी पूर्ण सदस्यों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रशस्ति-पत्र वितरित किए

बेटी के विवाह प्रमाण पत्र के लिए नहीं करना पड़ा लंबा इंतजार,अगले ही दिन हुआ काम.....

बिलासपुर। शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं को सरल, सहज और समयबद्ध तरीके से नागरिकों तक पहुंचाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में रतनपुर तहसील कार्यालय में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदक छेदी दास को मात्र एक दिन के भीतर विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। त्वरित कार्यवाही से उन्हें आवश्यक शासकीय कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिली है। ग्राम मोंहदा निवासी छेदी दास ने अपनी पुत्री रेनु मानिकपुरी के विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय रतनपुर में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यालय के संचालक के समक्ष आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा किया। उनके आवेदन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 अक्टूबर 2026 को आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई। संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के बाद विवाह प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। छेदी दास ने बताया कि विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा। आवेदन जमा करने के अगले ही दिन प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाने से उन्हें काफी राहत मिली है। उन्होंने सेवा सेतु के माध्यम से मिली त्वरित सुविधा पर संतोष व्यक्त किया। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न



शासकीय सेवाएं सरल और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। एक दिन के भीतर विवाह प्रमाण पत्र जारी किया जाना प्रशासन की तत्परता और समयबद्ध सेवा व्यवस्था का उदाहरण है। इस प्रकार की पहल से नागरिकों का समय बच रहा है और उन्हें अपने जरूरी दस्तावेज प्राप्त करने के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। तकनीक आधारित सेवाओं और त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई के समन्वय से आम नागरिकों को शासन की सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकता है। समयबद्ध सेवा और त्वरित निराकरण सुशासन की पहचान है, जो नागरिकों का प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत करते हैं।

होटल गणेश इन में बर्थडे कलेक्टर ने जनदर्शन पार्टी के दौरान मारपीट...संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने दिए निर्देश

कोरबा। जन्मदिन की पार्टी में केक कटने और जश्न मनने की जगह अगर हाथापाई शुरू हो जाए, तो मामला सुर्खियों में आना तय है। कोरबा के होटल गणेश इन में बर्थडे पार्टी के दौरान कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। वीडियो सामने आने के बाद होटल प्रबंधन की भूमिका और आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि टीपी नगर के गणेश इन हॉटल में बीती रात पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और देखते ही देखते मामला 'डिशुम-डिशुम' तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद होटल में हुए घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। होटल में आयोजित पार्टी के दौरान मारपीट जैसी घटना हुई है, तो सवाल उठना लाजिमी है कि आयोजन के समय सुरक्षा के क्या इंतजाम थे? विवाद बढ़ने पर उसे रोकने के लिए होटल प्रबंधन ने क्या कदम उठाए? क्या संबंधित पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है? इन सवालों के जवाब सामने आना अभी बाकी है। वीडियो वायरल होने के बाद होटल संचालक पर कार्रवाई की संभावना को लेकर भी चर्चाएं हैं। हालांकि, प्रशासन या पुलिस की ओर से किसी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि होने पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने मामले को लोगों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। अब देखना होगा कि पुलिस इस घटनाक्रम का संज्ञान लेती है या नहीं और होटल में पार्टी के दौरान हुए विवाद की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है।

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं। जनदर्शन में आज कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत आमामुड़ा के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया



कि शासकीय प्राथमिक शाला के दो शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आने के बावजूद पढ़ाई के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने एक शिक्षक के शराब पीकर आने तथा बच्चों को पढ़ाई नहीं कराने की शिकायत की है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। शहरी क्षेत्रों के चार सेजेस स्कूलों में कार्यरत नर्सरी शिक्षिकाओं एवं आया ने पिछले तीन माह से लॉबित मानदेय

गए। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को वारली कला की पारंपरिक शैली, ज्यामितीय आकृतियों के प्रयोग तथा जनजातीय जीवनशैली को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय लोक कला की विशिष्टताओं को समझने और स्वयं कलाकृतियां तैयार करने का अवसर मिला। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की रचनात्मक कार्यशालाओं का उद्देश्य भारत की समृद्ध लोक एवं जनजातीय कला परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करना, पारंपरिक कलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों और युवाओं में कला के प्रति रुचि विकसित करना है। ऐसे आयोजन न केवल प्रतिभागियों की रचनात्मक क्षमता को निखारते हैं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। एक दिवसीय वारली आर्ट वर्कशॉप को सफल बनाने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सांस्कृतिक संघ के पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

फ्लाइंग किक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिला तीसरा स्थान

■ जिले के 15 खिलाड़ियों ने जीते 12 स्वर्ण और 3 रजत पदक



बिलासपुर, 13 अक्टूबर 2026। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित ट्रायबल स्पोर्ट्स एंड कल्चर फेस्टिवल मेयर्स कप 10वें नेशनल फ्लाइंग किक भारत मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2026 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को तीसरा स्थान दिलाया। प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले के 15 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करते हुए कुल 12 स्वर्ण और 3 रजत पदक हासिल किए। इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों

से लगभग 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में मान्यता, भावेश, आदित्य कुमार, आदित्य, मानिकपुरी, संजनी जोशी, आसना, वाशु जैन, खुशी कुमारी, अमन गेंडोरे, देवराज, आर्यन सागर, गुलमित्र बांधी, जतिन कुमार, गौरव कुमार और शिवांश सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर लौटे खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों के स्वागत से माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इंटरनेशनल मास्टर गणेश सागर एवं फ्लाइंग किक के अध्यक्ष उमाशंकर साहू ने सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अव्यवस्थाओं के आगोश में मेडिकल कॉलेज का हॉस्टल 600 से ज्यादा छात्र-छात्राएं

लिए अन्य भूमि नहीं है। ग्राम पंचायत मेड़पार बाजार की निवासी प्रमिला घुतलहरे ने कृषि सखी के पद पर दोबारा नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि वह वर्ष 2023 से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कृषि सखी के रूप में कार्य कर रही थीं। अचानक तबोयत खराब होने के कारण वह एक माह तक समय नहीं दे पाई, जिसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। उन्होंने प्रशासन से उनकी परिस्थिति पर विचार करते हुए दोबारा पद पर रखने की अनुरोध देने का आग्रह किया है। बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र की दीनदयाल कॉलोनी के निवासियों ने बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्या को लेकर शिकायत की है। ट्रांसफॉर्मर पर अतिरिक्त भार पड़ने के कारण पिछले दो माह से कॉलोनी में बिजली संबंधी परेशानियां बनी हुई हैं।

अव्यवस्थाओं के आगोश में मेडिकल कॉलेज का हॉस्टल 600 से ज्यादा छात्र-छात्राएं

कोरबा। डॉक्टर बनने का सपना लेकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अब रहने की व्यवस्था के लिए भी जुझना पड़ रहा है। कोरबा मेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या 600 के पार पहुंच गई है, लेकिन झगरहा स्थित आईटी कोरबा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में संचालित छात्रावास की क्षमता महज 240 विद्यार्थियों की है। नए सत्र में 125 विद्यार्थियों के प्रवेश के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। जगह की कमी के चलते विद्यार्थियों को कमरों में समायोजित करने के साथ छात्रावास के बड़े हॉल में बिस्तर लगाकर अस्थायी व्यवस्था करनी पड़ रही है।

महानिदेशक, ऋक्ष द्वारा प्रतिष्ठित पदकों एवं अलंकरणों से सम्मानित किया जाना रहा। इस अवसर पर विशिष्ट सेवा के लिए 3 राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 30 पुलिस पदक तथा वर्ष 2024 में एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए एक जीवन रक्षा पदक प्रदान किए गए। ये प्रतिष्ठित अलंकरण स्वतंत्रता दिवस, 2025 तथा गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसरों पर प्रदान किए गए पुरस्कारों से संबंधित हैं। ये सम्मान केवल के प्रति असाधारण निष्ठा, विशिष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों तथा राष्ट्र की सेवा में सराहनीय योगदान को मान्यता प्रदान करते हैं। इन अधिकारियों एवं कर्मिकों को सम्मानित किया जाना समर्पण, सत्यनिष्ठा तथा जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सर्वोच्च परंपराओं को प्रतिबिंबित करता है। जीवन रक्षा पदक मानवीय संवेदनशीलता के फल को भी रेखांकित करता है, जो एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए किए गए कार्य को सम्मानित करता है।

विविध जिम्मेदारियों के निर्वहन में महिला कर्मिकों के महत्वपूर्ण योगदान की रेखांकित किया, जबकि ट्रड्मार्क कमांडो टुकड़ी ने ऋक्ष की विशेष परिचालन तैयारियों का प्रदर्शन किया। प्रतिष्ठित पदकों का अलंकरण: उत्कृष्ट सेवा का सम्मान-समारोह का एक महत्वपूर्ण आकर्षण रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं सदस्यों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, व्यावसायिक उत्कृष्टता तथा राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए



परिचालन कार्रवाई, शानों की सहायता से सुरक्षा संबंधी कार्यवाहियां तथा आधुनिक तकनीक-सक्षम गश्त शामिल हैं। परेड ने उन रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के समर्पण, सतर्कता एवं प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया, जो रेलवे यात्रियों एवं संपर्क की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम तथा देशभर में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल परिवेश सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत रहते हैं। महिला टुकड़ी की भागीदारी ने बल की

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा

नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। यह दिन साधक के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इस दिन उनकी पूजा से सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। ऐसा माना जाता है कि देवी कूष्मांडा ने अपनी मंद मुस्कान से ही इस ब्रह्मांड की रचना की थी, तो आइए इस आर्टिकल में मां कूष्मांडा की पूजा विधि से लेकर संपूर्ण बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं।

मां कूष्मांडा का स्वरूप

मां कूष्मांडा को अष्टभुजा देवी भी कहा जाता है। वह सिंह पर सवार हैं। उनके आठ हाथों में कमंडलु, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृत



नवरात्रि के चौथे दिन नारंगी या पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ

नवरात्र के नौ दिनों में हर दिन का अपना एक महत्व और एक खास रंग होता है। चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है और इस दिन का शुभ रंग है नारंगी। यह रंग ऊर्जा, उसाह और सकायात्मकता का प्रतीक माना जाता है। अगर आप नवरात्र के चौथे दिन अपने ट्रेडिशनल लुक को और भी आकर्षक बनाना चाहती हैं, तो नारंगी रंग के कपड़े पहनें और इन आसान स्टाइलिंग टिप्स को अपनाएं।

कॉन्ट्रास्ट ब्लाउज	हल्का पहनना चाहती हैं तो नारंगी रंग की फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ती टाई करें। इसे पल्टू-स्टाइल दुपट्टे या फुलकारी वर्क दुपट्टे के साथ पेयर करें। इस लुक के साथ सिल्वर ज्वेलरी या ऑक्सीडाइज्ड इयररिंग्स पहनने से आपको ट्रेडिशनल और एलीगेंट दोनों फील मिलेगा।
एथनिक स्कर्ट और क्रॉप टॉप	मॉडर्न टच के लिए नारंगी रंग का एथनिक स्कर्ट और एम्ब्रॉयडरी वाला क्रॉप टॉप एक स्टाइलिश ऑप्शन है।
कुर्ती से पाएं फेस्टिव वाइब	अगर आप साड़ी की बजाय कुछ



बुध राशि - आज प्रेम संबंधों में किसी तीसरे व्यक्ति के प्रति आकर्षण दायक्य या प्रेम जीवन में तनाव उत्पन्न कर सकता है। विवाहित जातकों के बीच प्रेम और रोमांस में वृद्धि होगी तथा साथ में सुखद समय व्यतीत करने के अवसर मिलेंगे। अविवाहित जातक घरेलू कार्यों में व्यस्त रह सकते हैं।

गुरु राशि - आज प्रेम जीवन में मधुरता और सामंजस्य बना रहेगा। प्रियतम के स्नेहपूर्ण व्यवहार से मन प्रसन्न होगा। विवाहित जातक जीवनसाथी के साथ भ्रमण पर जाने की योजना बना सकते हैं, जिससे पुराने मधुर स्मरण ताजा होंगे। अविवाहित जातको का मन पुराने प्रेम संबंध की ओर आकर्षित हो सकता है।दिनभर मन में जोश और पॉजिटिविटी बनी रहेगी। गुरसे में आकर कोई फैसला न ले और जल्दबाजी से बचे।

शुक्र राशि - आज प्रेम संबंधों में रोमांस और पारस्परिक आकर्षण बढ़ने के योग है। प्रियतम के साथ भावनात्मक निकटता बढ़ेगी और मनमूढता दूर होने की संभावना है। प्रेमी जातकों के बीच आपसी समझ मजबूत होगी। अविवाहित जातक पूर्व प्रेम की स्मृतियों में खोए रह सकते हैं। लग लाइफ में तालमेल बना रहेगा। नए काम या कारोबार से लाभ के अवसर मिलेंगे। विरोधियों की चाल साफल नहीं होगी।

शुक्र राशि - आज प्रेम जीवन में निकटता बढ़ेगी, लेकिन भावनात्मक अस्थिरता के कारण मन कुछ विचलित रह सकता है। विवाहित जातक परिवार के साथ समय बिताने अथवा किसी संबंधी के घर जाने की योजना बना सकते हैं। अविवाहित जातकों के मन में कार्यक्षेत्र के किसी व्यक्ति के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो सकता है। जरूरी काम में सफलता के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे।नीकरी और कारोबार में सफलता मिलने के संकेत हैं। घर के लिए जरूरी सामान खरीद सकते हैं।

शुक्र राशि - आज प्रेम संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन के संकेत हैं। प्रियतम के साथ पुराने मतभेद दूर करने और पारस्परिक विश्वास बढ़ाने का अवसर मिलेगा। विवाहित जातकों के दायक्य जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। अविवाहित जातकों को अपने मनपसंद व्यक्ति की ओर से अनुकूल संकेत मिलने की संभावना है।स्वहित्य और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की लोकप्रियता बढ़ने के संकेत हैं।कारोबार में अच्छा लाभ हो सकता है। परिवार के साथ घूमने-फिरने की योजना बनेगी।

शुक्र राशि - आज प्रेम संबंधों में आकर्षण बढ़ेगा, लेकिन संबंधों की मर्यादा और विश्वास बनाए रखना आवश्यक होगा। विवाहित जातकों को दायक्य जीवन में पराधीनता और आपसी सामंजस्य बनाए रखना चाहिए। प्रेम संबंध में रहने वाले जातकों को प्रियतम की ओर से कोई उपहार अथवा सुखद समाचार मिल सकता है। अविवाहित जातक अपने मनपसंद व्यक्ति को प्रभावित करने में सफल हो सकते हैं।

शुक्र राशि - आज प्रेम जीवन में मधुरता और सामंजस्य बनाए रखने के लिए भावनाओं की अभिव्यक्ति आवश्यक होगी। प्रियतम के साथ समय व्यतीत करने से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। विवाहित जातक अपने दायक्य जीवन में नवीन उसाह और रोमांस का संवार करने का प्रयास करेंगे। अविवाहित जातकों के मन में किसी विशेष व्यक्ति के प्रति अनुराग बढ़ सकता है।

शुक्र राशि - आज प्रेम संबंधों में उसाह और निकटता बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं। प्रियतम के साथ कोई सुखद योजना बनाने से संबंधों में नवीनता आएगी। विवाहित जातक जीवनसाथी के साथ मधुर पल बिताने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। अविवाहित जातक अपने मनपसंद व्यक्ति को मिलने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं।

शुक्र राशि - आज प्रियतम के साथ समय व्यतीत करने से प्रेम संबंधों में मधुरता और प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विवाहित जातक जीवनसाथी के साथ भ्रमण की योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में प्रियतम की ओर से विशेष पहल देखने को मिल सकती है। अविवाहित जातक अपने मन की भावनाएं व्यक्त करने में सकोच कर सकते हैं।

शुक्र राशि - आज प्रेम जीवन में नवीन ऊर्जा और मधुरता का संवार हो सकता है। प्रियतम संबंधों में उसाह बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विवाहित जातक जीवनसाथी के साथ एकांत में सुखद समय व्यतीत करना पसंद करेंगे। अविवाहित जातक अपने मनपसंद व्यक्ति से संवाद स्थापित करने के अवसर तलाश सकते हैं। किसी बात को लेकर मन में शक या कनफ्यूजन बना रह सकता है। रंतान की गतिविधियों पर ध्यान दें।परिवार में सुख-सुखियाएं बढ़ेगी और विरोधियों पर बढ़त मिलेगी। सामाजिक संपर्कों का लाभ मिल सकता है।

शुक्र राशि - आज प्रियतम के स्नेहपूर्ण व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंधों में सेवा और पारस्परिक सहयोग से भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। विवाहित जातक जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जाने की योजना बना सकते हैं। अविवाहित जातकों की जीवन में किसी नवीन प्रेम संबंध की संभावना बन सकती है। खासकर वीथी के मरीज नियमित रूप से अपनी हेल्थ का ध्यान रखें। दूसरों के मामलों में बेवजह पड़ने से बचें।

शुक्र राशि - आज प्रेम संबंधों में रोमांस और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ने के संकेत हैं। प्रियतम के साथ समय व्यतीत करने से संबंधों में मधुरता आएगी। विवाहित जातकों को जीवनसाथी की भावनाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए। अविवाहित जातकों के मन में अपने मनपसंद व्यक्ति के प्रति अनुराग बढ़ सकता है। पैसों के लेन-देन के लिहाज से दिन अच्छा रह सकता है। पैरेंट्स का भरोसा और सपोर्ट मिलेगा। लवमेट के साथ रिश्ता में नज़दीकिया बढ़ेगी।

से भरा कलश, चक्र और गदा शोभित हैं, और आठवें हाथ में जपमाला है, जो भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं। देवी का तेज सूर्य के समान है, और वह ही ब्रह्मांड को ऊर्जा देती हैं।

मां कूष्मांडा की पूजा विधि

सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर साफ कपड़े पहनें। पूजा स्थल को गंगाजल से पवित्र करें और मां कूष्मांडा का ध्यान करें। मां को पीले रंग के वस्त्र, पुष्प और शृंगार सामग्री अर्पित करें। इस दिन पीले कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। देवी को घृषु, दीप, अक्षत, रोली और अन्य पूजन सामग्री



इसके साथ गिरर वर्क जैकेट या दुपट्टा पहनकर आप डाइया नाइट्स के लिए भी तैयार हो जाएंगी। यह



पशूजल लुक आपको मॉडर्न और ट्रेडिशनल दोनों का कॉम्बिनेशन देगा। गोल्डन एक्सेसरीज से करें केलीट नारंगी रंग गोल्डन एक्सेसरीज के साथ बेहद खूबसूरत लगता है। चाहे आप साड़ी पहनें या सलवार सूट, गोल्डन झुमके, मांग टीका या कड़ा आपके ट्रेडिशनल लुक को पूरा करेंगे। अगर आप सिंपल आउटफिट पहन रही हैं, तो हेवी ज्वेलरी से लुक को बैलेंस कर सकती हैं।

बच्चे की रोजमर्रा की आदतों को भी समझना जरूरी

आपने वो कहावत तो सुनी ही होगी कि पूरा के पांच पालने में ही दिख जाते हैं। इसका अर्थ बिल्कुल सिंपल सा है कि बच्चे के व्यवहार और आदतों से ही उसके भविष्य की कुछ झलक मिल जाती हैं। हर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा जीवन में अच्छा कहे, उनसे भी आगे बढ़े और एक अच्छा इंसान बने। इसके लिए सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देना ही काफी नहीं है, बल्कि बच्चे की रोजमर्रा की आदतों और उसके बिहेवियर को भी समझना जरूरी है। सोशियोलॉजिस्ट धर्मेन्द्र कुमारे के अनुसार बच्चों में कुछ ऐसे संकेत होते हैं, जिन पर पैरेंट्स को खास ध्यान देना चाहिए। क्योंकि इन संकेतों से कहीं ना कहीं यह पता चल जाता है कि बच्चे का फ्यूचर कैसा होने वाला है।

■ **जिनका रूटीन कंसिस्टेंट होता है**
जो बच्चे अपने रोज के रूटीन को काफी हद तक कंसिस्टेंट यानी सेम रखते हैं, उनमें आगे बढ़ने की अच्छी



आदत दिखाई देती है। ऐसे बच्चे सिर्फ एजमा आने पर किताब नहीं खोलते, बल्कि सामान्य दिनों में भी पढ़ाई के लिए समय निकालते हैं। उनके खेलने, सोने, खाने और पढ़ने का एक लगभग तय समय होता है। हर दिन बिल्कुल एक जैसा होना जरूरी नहीं है, लेकिन उनकी लाइफ पूरी तरह बिखरी हुई नहीं होती। वे अपने जरूरी कामों के लिए समय निकालना जानते हैं और एक काम को कई दिनों तक बिना वजह टालते नहीं रहते। ऐसे बच्चे किसी बड़े लक्ष्य के लिए सिर्फ कुछ दिनों तक मेहनत

इस्तेमाल कर लेता है और कभी-कभी मनोरंजन के लिए भी देख लेता है। लेकिन पढ़ाई, खेल या दूसरे कामों के बीच वह लगातार मोबाइल चेक करने में लगा नहीं रहता। ऐसे बच्चे मोबाइल को अपनी जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल करते हैं, न कि मोबाइल के इस्तेमाल को अपनी पूरी रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं।

■ **जो बच्चा छोटे स्टेप्स की अहमियत समझता है**
अच्छे फ्यूचर की तरफ बढ़ने वाले बच्चों की एक खास बात यह होती है कि वे बड़े लक्ष्य को छोटे-छोटे कामों में बांटकर देखते हैं। अगर कोई बच्चा आईएसएस, जेई या बड़ा बिजनेसमें बनने का सपना देखता है, तो उसी यह भी समझ होता है कि सिर्फ सपना देखने से लक्ष्य पूरा नहीं होगा। उसके लिए रोज पढ़ना, सीखना और अपनी तैयारी पर काम करना पड़ेगा। ऐसा

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी

कुकीज़, चिप्स और कोल्ड कट्स जैसे प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन सीमित करना सबसे अच्छा है। साथ ही, पैकेज्ड और फ्रोजन फूड्स में निलीई गई चीनी, सोडियम और सैचुरेटेड फैट के प्रति भी सचेत रहें। और फुल फैट दूध, दही और पनीर की जगह लो फैट या फैट-फ्री दूध, दही और पनीर का सेवन करें। बदले में आपको क्या मिलाता है? हेर सारे संभावित स्वास्थ्य लाभ जो पूरे परिवार के लिए फायदेमंद हैं। जानिए वे क्या हैं।

1. गंभीर बीमारियों का खतरा कम होना	स्वस्थ खानपान के फायदे	होती है। लेकिन बुजुर्गों को भी अपने मस्तिष्क को तेज रखने के लिए पौष्टिक भोजन का सेवन जारी रखना चाहिए। ये खाद्य पदार्थ माइंड डाइट में प्रमुखता से बताए गए हैं। इनमें साबुत अनाज, पतेंदार सब्जियां, मेवे, फलियां, जामुन, मुर्गी और मछली शामिल हैं, जिनमें वसा मुख्य रूप से जैतून के तेल से प्राप्त होती है। माइंड डाइट का पालन करने से मनोभ्रंश का खतरा कम हो सकता है, या कम से कम इसमें देरी हो सकती है।
2. एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली	फल और सब्जियां, साथ ही फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ और प्रोटीन के स्वस्थ स्रोत खाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो सकती है। इसका मतलब है कि आप सर्दी-जुकाम पैदा करने वाले कीटाणुओं से लड़ सकेंगे। और बीमार होने पर आप जल्दी ठीक भी हो जाएंगे। बेशक, सिर्फ खाना ही काफी नहीं है। व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना और समय-समय पर टीके लगवाना भी जरूरी है।	अधिक सेवन गहरी नींद में बाधा डाल सकता है। 5 नींद की यही अवस्था है जिसमें जागने पर आप सबसे अच्छा महसूस करते हैं। बेहतर नींद के लिए, सब्जियों, फलों और साबुत अनाज जैसे अपरिष्कृत कार्बोहाइड्रेट भी शामिल हों। ये खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं, जिसे आपका शरीर ऊर्जा में परिवर्तित करता है। इसका मतलब है कि आपके पास आगे ले पौष्टिक भोजन तक पर्याप्त ऊर्जा होगी।
3. अधिक ऊर्जा	आपके शरीर और मस्तिष्क को दिनभर काम करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। बेशक, एक कैंडी बार आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान	अधिक सेवन गहरी नींद में बाधा डाल सकता है। 5 नींद की यही अवस्था है जिसमें जागने पर आप सबसे अच्छा महसूस करते हैं। बेहतर नींद के लिए, सब्जियों, फलों और साबुत अनाज जैसे अपरिष्कृत कार्बोहाइड्रेट भी शामिल हों। ये खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं, जिसे आपका शरीर ऊर्जा में परिवर्तित करता है। इसका मतलब है कि आपके पास आगे ले पौष्टिक भोजन तक पर्याप्त ऊर्जा होगी।
4. गहरी नींद	कम फाइबर और अधिक संतृप्त वसा वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का	अधिक सेवन गहरी नींद में बाधा डाल सकता है। 5 नींद की यही अवस्था है जिसमें जागने पर आप सबसे अच्छा महसूस करते हैं। बेहतर नींद के लिए, सब्जियों, फलों और साबुत अनाज जैसे अपरिष्कृत कार्बोहाइड्रेट भी शामिल हों। ये खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं, जिसे आपका शरीर ऊर्जा में परिवर्तित करता है। इसका मतलब है कि आपके पास आगे ले पौष्टिक भोजन तक पर्याप्त ऊर्जा होगी।
5. अधिक तीक्ष्ण बुद्धि	बच्चों को अपने बढ़ते मस्तिष्क के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यकता	अधिक सेवन गहरी नींद में बाधा डाल सकता है। 5 नींद की यही अवस्था है जिसमें जागने पर आप सबसे अच्छा महसूस करते हैं। बेहतर नींद के लिए, सब्जियों, फलों और साबुत अनाज जैसे अपरिष्कृत कार्बोहाइड्रेट भी शामिल हों। ये खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं, जिसे आपका शरीर ऊर्जा में परिवर्तित करता है। इसका मतलब है कि आपके पास आगे ले पौष्टिक भोजन तक पर्याप्त ऊर्जा होगी।

बच्चा यह नहीं सोचता कि आज बहुत सारा काम कर लूंगा और फिर कई दिनों तक कुछ नहीं करूंगा। वह रोज थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ने की कोशिश करता है। उसे पता होता है कि छोटे-छोटे स्टेप्स मिलकर ही बड़े लक्ष्य तक पहुंचाते हैं।

■ **जो बच्चा इमोशनली स्टेबल रहता है**
अगर बच्चा जीता या हार के बाद अपनी भावनाओं को संभालकर आगे बढ़ना सीख रहा है, ये भी अच्छा साइन है। इसका मतलब यह नहीं है कि उसे हारने पर दुख नहीं होना चाहिए या जीतने पर खुशी नहीं होनी चाहिए। खुशी और दुख होना बिल्कुल सामान्य है। फर्क यह है कि बच्चा इन भावनाओं में बहुत ज्यादा समय तक फंसा नहीं रहता। हार मिली तो उससे सीखकर आगे बढ़ता है और जीत मिली तो जरूरत से ज्यादा एक्साइटेट होकर अपनी बाकी

गठिया रोगों के इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज



सुबह उठते ही घुटनों, हाथों, कंधों या कमर के जोड़ों में दर्द और अकड़न महसूस होना कई लोगों के लिए आम समस्या हो सकती है। लेकिन अगर यह परेशानी बार-बार हो, लंबे समय तक बनी रहे या रोजमर्रा के काम प्रभावित करने लगे, तो इसे सिर्फ उबड़ने का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार बनी रहने वाली ये परेशानियां गठिया का संकेत हो सकते हैं। विश्व गठिया दिवस के मौके पर हम आपको बता रहे हैं कि अक्सर क्यों समय रहते लक्षणों को पहचानना और सही जांच कराना जरूरी है, क्योंकि कुछ प्रकार के गठिया में शुरुआती उपचार से जोड़ों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिल सकती है।

सुबह उठने के बाद जोड़ों में लंबे समय तक अकड़न रहना गठिया का एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। खासकर अगर यह समस्या बार-बार होती है और चलने-फिरने के बाद भी आसानी से ठीक नहीं होती। रूमेटाइड आर्थराइटिस में सुबह की अकड़न लंबे समय तक रह सकती है। घुटने, उंगलियों, कलाई, कंधे, टखने या पैरों के जोड़ों में बार-बार दर्द होना भी ध्यान देने योग्य है। हालांकि हर तरह का जोड़ों का दर्द गठिया नहीं होता, इसलिए लगातार रहने वाले दर्द का कारण जानना जरूरी है। अगर किसी जोड़ के आसपास सूजन, लालिमा या गर्माहट महसूस होती है, तो यह सूजन या इन्फ्लेमेशन का संकेत हो सकता है। ऐसी समस्या बार-बार

नवरात्रि का तीसरा दिन जो माता चंद्रघंटा को समर्पित होता है। इस दिन का शुभ रंग लाल है, जो ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना जाता है। माणिक पब्लिक नवरात्रि फेस्टिवल मंडल, लोअर परेल ने इस साल कोल्हापुर की प्रसिद्ध अंबाबाई देवी (महालक्ष्मी) की दिव्य मूर्ति और उनके स्वरूप को हुबहु साकार किया है। मुंबई के भक्तों के लिए कोल्हापुर की देवी के दर्शन का यह एक अद्भुत अवसर है।



मां कूष्मांडा का क्या है भोग

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा को मुख्य रूप से कढ़ू (कुम्हड़ा), मालपुआ और केसरिया हलवा का भोग लगाया जाता है। मां कूष्मांडा को 'कूष्मांड' (कढ़ू) अति प्रिय है, इसलिए उन्हें कढ़ू या सफेद पेषे का भोग चढ़ाना सबसे शुभ माना जाता है। मां को मालपुआ का भोग लगाने से निर्णय लेने की क्षमता और बुद्धि में वृद्धि होती है।



मां कूष्मांडा को पीला रंग बहुत पसंद है, इसलिए भोग में केसर पेंटा, केसरिया हलवा, दही या पीले फल (जैसे केला) भी अर्पित किए जाते हैं। हिंदू धर्म में नवरात्रि के 9 दिन सबसे पवित्र दिनों में गिने जाते हैं। माना

की विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। माना जाता है कि नवरात्रि के दौरान मां भगवती पूरे 9 दिनों तक धरती पर भवती को आशीर्वाद देने लिए आती हैं। नवरात्रि के चौथे दिन किस देवी की उपासना करते हैं। देवी का प्रिय भोग क्या है और किन मंत्रों का जाप करना चाहिए। मां कूष्मांडा का अर्थ कुम्हड़े से भी है। मां कूष्मांडा को कुम्हड़ा अति प्रिय है, इसलिए भी इनको कूष्मांडा कहते हैं। हालांकि बृहद रूप में देखा जाए, तो एक कुम्हड़े में अनेक बीज होते हैं। हर बीज में एक पौधे की जन्म देने की क्षमता होती है। उसके अंदर सूजन की शक्ति होती है। मां ने इस पूरे ब्रह्मांड की रचना की है। उनके अंदर भी सूजन की शक्ति है।

झंकार और गायत्री सेवा महिला स्वसहायता समूहों को मिला स्वरोजगार का अवसर, दीपावली पर बढ़ती मांग से आय में हो रही वृद्धि

महिलाओं के हुनर से रोशन होंगे दीप, फूलबाती बनाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं बेमेतरा की महिलाएं

बेमेतरा। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही घर-आंगन को दीपों से रोशन करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच बेमेतरा जिले की महिला स्वसहायता समूहों की सदस्य अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। उनके हाथों से तैयार हो रही फूलबाती न केवल दीपावली के दीयों को रोशन करेगी, बल्कि महिलाओं के जीवन में आर्थिक खुशहाली और आत्मविश्वास का नया उजाला भी बिखरेगी। लखपति दीदी पहल के अंतर्गत जिले के झलक, झंकार और गायत्री सेवा महिला स्वसहायता समूहों की महिलाएं फूलबाती निर्माण को आजीविका का साधन बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण



आजीविका संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से महिला स्वसहायता समूहों को प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे महिलाएं अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का

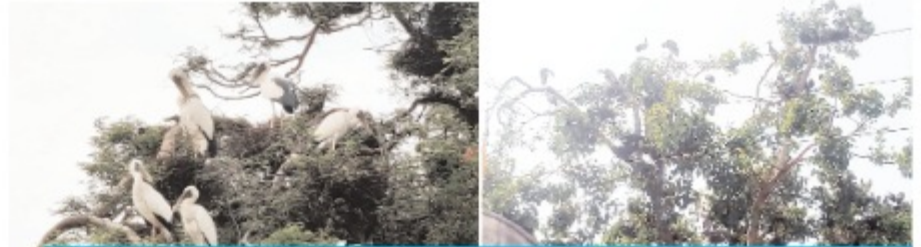
निर्वहन करने के साथ घर पर ही आय अर्जित करने के अवसर प्राप्त कर रही हैं। समूह की महिलाओं को मशीन के माध्यम से रुई की फूलबाती बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को मशीन के संचालन, रुई से फूलबाती तैयार करने की तकनीक, कच्चे माल के उपयोग तथा तैयार उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के



संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही समूह को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई, जिससे महिलाओं को मशीन एवं आवश्यक कच्चा माल खरीदने में मदद मिली। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद समूह की महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ फूलबाती निर्माण कार्य शुरू किया। शुरुआत में महिलाओं के लिए यह एक नया अनुभव था, लेकिन निरंतर अभ्यास और सामूहिक प्रयासों से वे इस कार्य में दक्ष होती गईं। महिला

स्वसहायता समूहों की इस पहल की विशेषता यह है कि महिलाओं को आजीविका अर्जित करने के लिए अपने घर और परिवार की जिम्मेदारियों से दूर नहीं जाना पड़ता। वे सुबह परेल् कामकाज निपटाने के बाद उपलब्ध समय में समूह के साथ मिलकर फूलबाती निर्माण करती हैं। मशीन की सहायता से फूलबाती तैयार करने का कार्य अपेक्षाकृत सरल होने के कारण महिलाएं कम समय में अधिक उत्पादन कर सकती हैं।

एशियन ओपनबिल स्टॉक पक्षी के बच्चे उड़ने लगे ठंड के बाद होगी विदाई



बेमेतरा। जिले के नवागढ़ ब्लाक के ग्राम कटई में दो दशक से मानसून का मनुहार लेकर आने वाले एशियन ओपन बिल पक्षी के बच्चे अब इस ढगाल से उस ढगाल में उड़ने लगे हैं, जब ए पुरी तरह से उड़ने लायक एवम चारा चुगने में परिपक्व हो जाएंगे तब ए पक्षी पड़ाव बदल देगे, स्थानीय निवासी चुप्पन वामी ने बताया कि इस गांव के अलावा पड़ोसी ग्राम गनियारी में भी बड़ी संख्या में पक्षी आते हैं, जिला प्रशासन द्वारा अब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया गया जिसके कारण पक्षी आसपास के गांवों में जांने लगे हैं, तालाब, सड़क किनारे सघन वृक्षारोपण की मांग की गई थी, पर ध्यान नहीं दिया गया नतीजा यह कि अब

संख्या कम हो रही है, इसे ओपनबिल इसलिए कहते हैं क्योंकि वयस्क पक्षी की चोंच बीच में से पूरी तरह बंद नहीं होती, बीच में एक गैप रह जाता है। यही गैप इसकी पहचान है। मूल स्थान -यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया का पक्षी है। भारत, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया तक इसका विस्तार है। भारत में यह लगभग हर जगह पाया जाता है। यह पूरी तरह प्रवासी नहीं है, लेकिन मौसम और भोजन की उपलब्धता के हिसाब से लंबी दूरी तक घूमता रहता है। नदियों के किनारे नहीं, बल्कि अंदरूनी मीठे पानी की आर्द्रभूमि, उथली झीलें, दलदल,

धान के खेत, नहरें और सिंचित खेत इसे पसंद हैं। स्वभाव बहुत मिलनसार है। अक्सर झुंड में रहता है, हालांकि अकेला भी दिख जाता है। भोजन: इसका मुख्य भोजन पानी के घोंघे हैं। चोंच का गैप घोंघे के खोल को पकड़ने और निकालने में मदद करता है। इसके अलावा मेंढक, केकड़े और बड़े कीड़े भी खाता है। - उड़ान: * चीढ़े पंखों वाला पक्षी है, गरम हवा के थर्मल पर तैरते हुए उड़ता है और गर्दन आगे निकाले रखता है। यह 68-81 फुट तक लंबा होता है। मानसून में आर्द्रभूमि के पास पेड़ों पर टहनीयों से घोंसला बनाता है, और कॉलोनी में रहकर 2 से 6 अंडे देता है। यह दिन में सक्रिय रहने वाला पक्षी है।

अबड़ा बाजार में शारदीय नवरात्रि की धूम, नवदुर्गा की प्रतिमा विराजमान कर श्रद्धा और उल्लास के साथ हो रही पूजा-अर्चना

एमसीबी। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर चिरमिरी के बड़ा बाजार में भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है। बड़ा बाजार दुर्गा पूजा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी मां दुर्गा की नवदुर्गा स्वरूप प्रतिमा विराजमान की गई है। समिति के द्वारा पूरे श्रद्धा-भाव, उत्साह और धूमधाम के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। नवरात्रि पर्व के दौरान मां दुर्गा के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही है। भक्तजन माता रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं तथा सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। पूजा स्थल पर धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।



पूजा-अर्चना के साथ भोग-भंडारे का आयोजन

बड़ा बाजार दुर्गा पूजा समिति द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना के साथ भोग-भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से श्रद्धालु धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। मां दुर्गा की आराधना और भोग-भंडारे के आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

परंपरा और आस्था के साथ मनाया जा रहा नवरात्रि पर्व

बड़ा बाजार दुर्गा पूजा समिति द्वारा हर वर्ष शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। इस वर्ष भी समिति ने परंपरा को कायम रखते हुए नवरात्रि पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने की व्यवस्था की है। मां दुर्गा की आराधना के साथ पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर नजर आ रहा है। शारदीय नवरात्रि का यह पावन पर्व लोगों को आस्था, भक्ति और सामाजिक एकजुटता का संदेश दे रहा है। बड़ा बाजार में दुर्गा पूजा के आयोजन से धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र

1080 महिला शेयरधारकों और 60 उत्पादक समूहों से जुड़ी कंपनी का कारोबार एक करोड़ रुपए के पार

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वनोपज के लिए एनपीओपी प्रमाणन प्राप्त करने वाली प्रदेश की पहली महिला किसान उत्पादक कंपनी बनी



दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण, जैविक उत्पादों के संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में दंतेवाड़ा जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड को वनोपज के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत जैविक प्रमाणिकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिस वनोपज के लिए यह प्रमाणन मिला है। इसे उपलब्धि से बस्तर के प्राकृतिक वनोपज को

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की नई राह खुली है। उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी से जुड़ी सभी महिलाओं और बिहान मिशन की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए स्थानीय संसाधनों, स्थानीय प्रतिभा और स्थानीय भागीदारी पर आधारित विकास माँडल को आगे बढ़ा रही है। इस माँडल में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग प्रमुख

आधार हैं। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर की धरती प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और यहां की महिलाएं पीढ़ियों से वनोपज के संग्रहण एवं संरक्षण का कार्य करती आ रही हैं। एनपीओपी प्रमाणन मिलने से उनके परिश्रम और पारंपरिक ज्ञान को औपचारिक पहचान मिलेगी। अब दंतेवाड़ा के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएं मजबूत होंगी। इससे संग्राहकों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने और

वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होने की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक प्रमाणन केवल उत्पादों की गुणवत्ता की पहचान नहीं है, बल्कि यह बस्तर की महिलाओं की मेहनत और सामूहिक उद्यमशीलता को नई पहचान दिलाने का माध्यम भी है। वनोपज के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे युवाओं को अपने गांव और क्षेत्र में ही काम के अवसर मिलेंगे। तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

नवागढ़ में सेवा संकल्प अभियान की शिविर में पसरा सत्राटा, खाली कुर्सियों ने खोली जनभागीदारी की पोल

प्रतापपुर में आयोजित शिविर में नहीं दिखाई आम लोगों की अपेक्षित भीड़



नवागढ़। आम जनता की समस्याओं के निराकरण और शासकीय योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत प्रतापपुर में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बैठने के लिए कुर्सियों की लंबी कतारें सजाई गई थीं, लेकिन तस्वीरों में अधिकांश कुर्सियां खाली नजर आईं। आम लोगों की सीमित उपस्थिति ने आयोजन की सफलता और जमीनी

स्तर पर अभियान की पहुंच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिविर स्थल पर व्यवस्था तो नजर आई, लेकिन जिस जनभागीदारी की उम्मीद के साथ इस तरह के आयोजन किए जाते हैं, वह दिखाई नहीं दी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अभियान की जानकारी ग्रामीणों तक समय पर पहुंचाई गई थी? क्या लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान की उम्मीद थी, या फिर सरकारी आयोजनों के प्रति उदासीनता बढ़ रही

मंत्री दयालदास बघेल के क्षेत्र में अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल नवागढ़ क्षेत्र से जुड़े वर्तमान विधायक एवं मंत्री दयालदास बघेल के राजनीतिक क्षेत्र में आयोजित इस शिविर में कम उपस्थिति को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था और जनसंपर्क की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। जनकल्याणकारी अभियानों की सफलता केवल आयोजन स्थल पर टेंट, कुर्सियां और विभागीय कार्टर लगाने से नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भागीदारी और उनकी समस्याओं के वास्तविक निराकरण से तय होती है। यदि ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पा रही है या उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है, तो इसकी समीक्षा आवश्यक है। हालांकि, केवल कम भीड़ के आधार पर मंत्री को व्यक्तिगत विफलता का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इसके लिए शिविर में प्राप्त आवेदनों, निराकृत मामलों और ग्रामीणों की प्रतिक्रिया की जानकारी भी महत्वपूर्ण है।

आयोजन औपचारिकता तक सीमित रहने की आशंका

शिविर की तस्वीरों में बड़ी संख्या में खाली कुर्सियां नजर आना इस बात की ओर संकेत करता है कि आयोजन में जनभागीदारी अपेक्षा से कम रही। यदि ऐसे शिविर केवल निर्धारित कार्यक्रम पूरा करने तक सीमित रह जाते हैं। तो आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है।

‘निदान-03’ शिविर: दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए जीवन को सुगम बनाने की ऐतिहासिक पहल

आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की ओर कदम



धमतरी। धमतरी के इंडोर स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय 'निदान-03' विशेष शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस अभिनव शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सहज व सुविधाजनक बनाना था। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन के अंतिम दिन भी जिलेभर से पहुंचे दिव्यांगजनों और बुजुर्गों ने अपने परिजनों के साथ पहुंचकर शिविर का अभूतपूर्व लाभ उठाया। शिविर स्थल पर सुबह से ही ज़रूरतमंदों का तांता लगा रहा, जहां विशेषज्ञों की टीम ने दिव्यांगजनों की आवश्यकता का आकलन कर उन्हें

कृत्रिम अंग, कैलपर्स, व्हीलचेयर और ब्रवण यंत्र जैसे महत्वपूर्ण सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए। इस विशेष आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहा कि बुजुर्गों और दिव्यांगों को अपनी विभिन्न ज़रूरतों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्र कार्टने से मुक्ति मिल गई, क्योंकि एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए उनकी आंखों और कानों की बारीकी से जांच की गई और मौके पर ही उन्हें चश्मे तथा सुनने की मशीनें वितरित

की गईं, जिससे उनके दैनिक जीवन की कई बाधाएं दूर हो गईं। इसके अलावा, शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र यानी यूडीआईडी, बस पास और एम-आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया भी सुगमता से पूरी की गई। 'निदान-03' शिविर ने समाज के उपेक्षित और ज़रूरतमंद वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन करने के अवसर प्रदान कर यह संकेत कर दिया है कि संवेदनशीलता और प्रशासन की संयुक्त इच्छाशक्ति से समाज के अंतिम छोर तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है।

‘अनुभवों को सुनें, वास्तविक आवाजें-वास्तविक बदलाव’ थीम के साथ लोगों को किया जागरूक, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 की दी जानकारी

मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करें, समय पर उपचार लें: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर चिरमिरी में निकली जागरूकता रैली

एमसीबी। मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। मानसिक तनाव, अवसाद और घबराहट जैसी समस्याओं को छिपाने के बजाय समय पर सहायता लेना बेहतर जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला निकाित्सालय चिरमिरी में जागरूकता रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम 'Lived Experiences' (Real Voices) Real Change" के तहत आयोजित कार्यक्रम में



अर्थात अनुभवों को सुनें, वास्तविक आवाजें-वास्तविक बदलाव रखी गई। कार्यक्रम के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सामाजिक भ्रात्यों एवं अंधविश्वास को दूर करने और ज़रूरतमंदों को समय पर

चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, सिविल सर्जन डॉ. अभय सिंह तोमर के नेतृत्व तथा जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य

कार्यक्रम (एनएमएचपी) डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के समन्वय में आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल एवं प्रभारी हॉस्पिटल मैनेजर वीरेंद्र साव का विशेष सहयोग रहा। रैली में के.बी. पटेल

नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं, जिला चिकित्सालय के नर्सिंग स्टाफ और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने नारों और जागरूकता संदेशों वाली तख्तियों के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया। मानसिक स्वास्थ्य पर झिझक छोड़ें, ज़रूरत पड़ने पर लें चिकित्सकीय सहायता- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है, लेकिन सामाजिक

झिझक और भेदभाव के कारण कई लोग अपनी समस्याओं को खुलकर साझा नहीं कर पाते। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि जिले के अंतिम छोर तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो और तनाव या अवसाद से जूझ रहे लोगों को बिना किसी डर अथवा संकोच के सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि लगातार उदासी, घबराहट या अन्य मानसिक परेशानियों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर स्वास्थ्य केंद्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। समय पर पहचान और

उपचार से बेहतर जीवन की ओर बढ़ा जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अनुभवों को सुनना भी बदलाव की अहम कड़ी-जिला नोडल अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती ने कहा कि इस वर्ष की थीम मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना कर चुके लोगों के अनुभवों को सुनने, समझने और सम्मान देने पर केंद्रित है। मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के प्रति भेदभाव और उपेक्षा समाप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज में संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित

करके वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी शुरुआती लक्षणों की पहचान और समय पर विशेषज्ञ की सलाह व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में मदद कर सकती है। नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद और सकारात्मक संवाद अपनाएं- गोष्ठी में मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, योग, व्यायाम और सुबह की सर जैसी स्वस्थ आदतें अपनाने की सलाह दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि परिवार और मित्रों के साथ बातचीत करना